आज का सुविचार

निश्चित होने पर भी लड़ने का पराक्रम दिखलाता है।
- इलियट

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

वर्ष-5 अंक-25 भोपाल, सोमवार 06 दिसम्बर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-2 रुपए

पंचांग

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष
षष्टी, सोमवार 22
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:42/5:38
वर्षा/बादल %	00 %
नमी %	22 %
वायु (किमी/घ.)	08
तापमान प्रात:/रात्रि (डिग्री से.)	

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला

₹ 49,045

नगालैंड में हिंसा : सुरक्षा बलों की फायरिंग में 13 की मौत
एक जवान भी मारा गया; कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नगालैंड के मोन जिले में सुरक्षा बलों की फायरिंग में 13 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इन लोगों के उग्रवादी संगठन ह्रस्ह्ह से जुड़े होने की आशंका के चलते सिक्योरिटी फोर्सेज ने फायरिंग की, जिसमें इन लोगों की मौत हुई। इस घटना के बाद इलाके में हिंसा फैल गई। सुरक्षाबलों और स्थानीय लोगों के बीच हिंसक झड़प भी हुई। असम राइफल्स के अधिकारियों ने बताया कि ऑपरेशन में सुरक्षा बलों को गंभीर चोटें आई हैं। इस दौरान एक सैनिक बेहद गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं।

ग्रामीणों को विद्रोही समझ लिया

रिपोर्ट के मुताबिक एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई के लिए सुरक्षा बल तिरु-ओटिंग रोड पर घात लगाकर तैनात थे। उसी दौरान उन्होंने गलती से ग्रामीणों को विद्रोही समझ लिया। दरअसल, इनपुट में जिस रंग की गाड़ी के बारे में बताया गया था, उसी रंग की गाड़ी वहां से गुजरी। जवानों ने गाड़ी को रोकने के लिए कहा, लेकिन वह नहीं रुकी। इसके बाद सिक्योरिटी फोर्सेज ने फायरिंग शुरू कर दी। 0200 गुस्साए ग्रामीणों ने

सुरक्षा बलों की गाड़ियों में आग लगा दी बताया जा रहा है कि सभी पीड़ित मजदूर थे,

जो काम के बाद एक पिकअप में सवार होकर अपने घर जा रहे थे। देर रात तक घर नहीं पहुंचने पर ग्रामीणों ने उन्हें ढूंढना शुरू किया और तब उन्हें इस घटना की जानकारी मिली। गुस्साए ग्रामीणों ने सुरक्षा बलों की गाड़ियों को आग लगा दिया। गुस्साई भीड़ को नियंत्रित करने में जवानों को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

CM नीफियू बोले- हाई-लेवल SIT जांच होगी

नगालैंड के मुख्यमंत्री नीफियू रियो ने कहा कि मोन के ओटिंग में नागरिकों की हत्या की घटना बेहद निंदनीय है। इसकी हाई-लेवल स्ढ्ढञ्ज जांच कराई जाएगी। सभी को कानून के हिसाब से न्याय मिलेगा। उन्होंने सभी लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की।

अमित शाह बोले- दुर्भाग्यपूर्ण घटना से दुखी हूं

गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया, नगालैंड के ओटिंग में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना से दुखी हूं। मैं उन लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना जाहिर करता हूं जिन्होंने अपनी जान गंवाई है। राज्य सरकार इसकी हाई-लेवल SIT जांच कराएगी, ताकि पीड़ित परिवारों को न्याय मिल सके।

मप्र के पन्ना में सड़क हादसे में 5 की मौत, 20 घायल

भोपाल। मध्यप्रदेश के पन्ना और राजगढ़ में दो सड़क हादसों में 5 लोगों की मौत हुई जबकि 20 घायल हुए। राजगढ़ में नेशनल हाईवे 52 में मोटरसाइकिल पर जा रहे भाई-बहन और एक अन्य लड़की को ट्रक ने टक्कर मार दी, जिसमें तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने ट्रक को अपने कब्जे में लेकर ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पन्ना के किशनगढ़ गांव में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से में दो लोगों की मौत हुई जबकि 20 अन्य लोग घायल हुए।

गोवा में गृह योजना का लाभ बढ़ाकर 2.5 हजार रुपए करेंगे : केजरीवाल

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कांफ्रेंस के जरिए ऐलान किया कि गोवा में सरकार बनने पर महिलाओं के लिए गृह आधार लाभ 1500 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए प्रति माह कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि 18 साल से ज्यादा उम्र की प्रत्येक महिला को 1000 रुपये हर महीने दिए जाएंगे। उन्होंने इसे दुनिया का सबसे बड़ा और प्रभावी महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम बताया। केजरीवाल ने यह भी कहा कि गोवा को ऐसा नेता मिला है जो आपके लिए जान दे सकता है।

लखनऊ लाठीचार्ज पर वरुण गांधी बोले- छात्रों से बर्बरता क्यों

लखनऊ। लखनऊ में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती में रिजर्वेशन की मांग को लेकर 5 महीने से धरना दे रहे शिक्षक अभ्यर्थियों पर शनिवार को लखनऊ पुलिस ने जमकर लाठियां बरसाईं। इस लाठीचार्ज के बाद सियासतदानों ने भी वीडियो शेयर कर सरकार पर निशाना साधा। आज भाजपा सांसद वरुण गांधी ने भी वीडियो ट्वीट कर दुख जताया है और सवाल भी पूछा है। वरुण गांधी ने ट्वीट कर लिखा - 'ये बच्चे भी मां भारती के लाल हैं, इनकी बात मानना तो दूर, कोई सुनने को तैयार नहीं है। इस पर भी इनके ऊपर ये बर्बर लाठीचार्ज। अपने दिल पर हाथ रखकर सोचिए क्या ये आपके बच्चे होते तो इनके साथ यही व्यवहार होता??ज् आपके पास रिक्तियां भी हैं और योग्य अभ्यर्थी भी, तो भर्तियां क्यों नहीं??'

दिल्ली पहुंचा ओमिक्रॉन
तंजानिया से लौटे यात्री में मिला संक्रमण, देश में 4 दिन में नए वैरिएंट के 5 केस सामने आए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

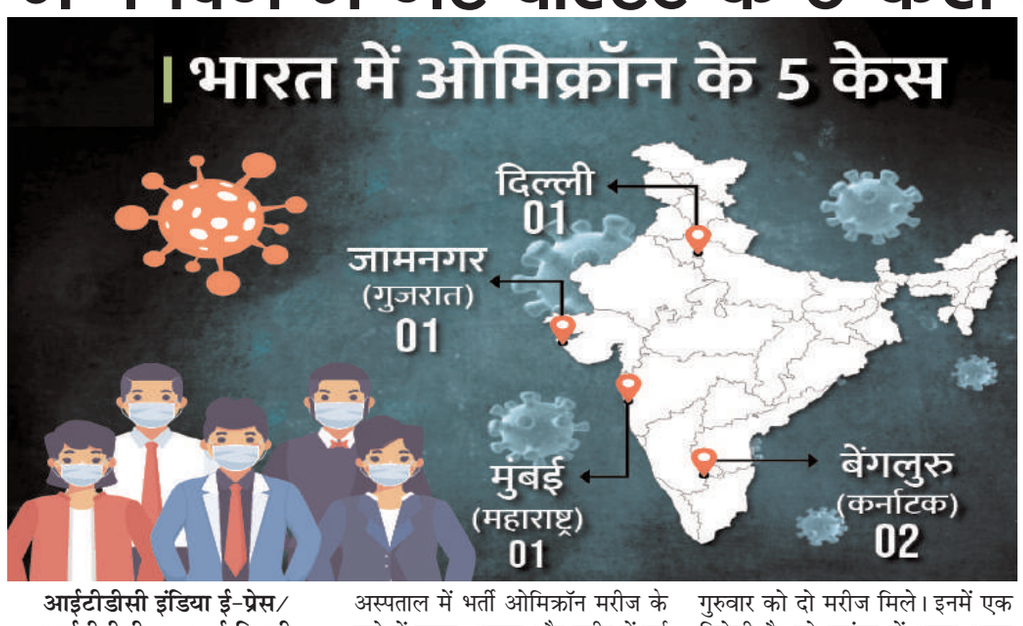

बेंगलुरु, मुंबई और जामनगर के बाद अब दिल्ली में ओमिक्रॉन के पहले केस का पता चला है। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने बताया कि संक्रमित तंजानिया से आया था। एयरपोर्ट पर जांच के बाद उसके ओमिक्रॉन संक्रमित होने की जानकारी मिली। उसे दिल्ली के LNJP अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। LNJP अस्पताल के एमडी सुरेश कुमार ने बताया कि अस्पताल में भर्ती ओमिक्रॉन मरीज के गले में सूजन, थकान और शरीर में दर्द के लक्षण दिख रहे हैं। इससे पहले शनिवार को गुजरात के जामनगर में ओमिक्रॉन संक्रमित मिला था। वहीं, मुंबई और बेंगलुरु में भी ओमिक्रॉन के केस मिलाकर देश में इस वैरिएंट के कुल 5 संक्रमित मिल चुके हैं।

देश में ओमिक्रॉन के पिछले 4 मामले

कर्नाटक: सबसे पहले कर्नाटक में गुरुवार को दो मरीज मिले। इनमें एक विदेशी है, जो नवंबर में भारत आया था।

गुजरात: तीसरा केस गुजरात के जामनगर शहर में मिला है। ओमिक्रॉन से संक्रमित मिला शख्स 28 नवंबर को जिम्बाब्वे से जामनगर आया था।

महाराष्ट्र: भारत में ओमिक्रॉन का चौथा केस शनिवार को महाराष्ट्र में मिला। मुंबई के पास कल्याण डोंबिवली का रहने वाला यह शख्स साउथ अफ्रीका से लौटा था।

देश में आने वाले यात्रियों के लिए नई गाइडलाइन्स

कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर बढ़ती चिंता के बीच इंटरनेशनल पैसेंजर्स के लिए नई गाइडलाइन आज से लागू कर दी गई है। केंद्र ने 28 से 30 नवंबर के बीच ये गाइडलाइंस जारी की थीं। इसमें बताया गया है कि एट रिस्क देशों से आने वाले पैसेंजर्स को RT-PCR टेस्ट कराना जरूरी होगा। पैसेंजर्स को रिजल्ट आने तक एयरपोर्ट पर ही इंतजार करना होगा। सभी एयरपोर्ट्स पर अतिरिक्त ऋञ्ज-क्कष्टक्र फैसिलिटी की व्यवस्था की जाएगी।

फॉर्म में बतानी होगी ट्रैवल हिस्ट्री

एट रिस्क वाले देशों को छोड़कर बाकी देशों के यात्रियों को एयरपोर्ट से बाहर जाने की अनुमति होगी। उन्हें 14 दिन के लिए सेल्फ मॉनिटरिंग करनी होगी। ओमिक्रॉन के खतरे की श्रेणी से जिन देशों को बाहर रखा गया है, वहां से आने वाले यात्रियों में 5त्न की टेस्टिंग जरूर की जाएगी। इसके मुताबिक, अब एयर सुविधा पोर्टल पर मौजूद सेल्फ डेक्लेरेशन फॉर्म में सभी इंटरनेशनल पैसेंजर्स को फ्लाइट बोर्ड करने से पहले अपनी 14 दिन की ट्रैवल हिस्ट्री बतानी होगी।

बिहार के गोपालगंज में अफ्रीकी देशों से आए 5 लोग पॉजिटिव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बिहार

बिहार के गोपालगंज जिले में विदेश से आए 5 लोगों की कोविड टेस्ट रिपोर्ट रविवार को पॉजिटिव पाई गई है। ये सभी लोग नए कोरोना वैरिएंट ओमिक्रॉन से प्रभावित अफ्रीकी देशों से आए थे। हालांकि वे किन-किन देशों से आए थे, इसकी पुख्ता जानकारी अभी तक नहीं मिल सकी है। डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, पांचों लोगों को ऑब्जर्वेशन सेंटर में आइसोलेट कर दिया गया है और उनके सैंपल जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेज दिए गए हैं ताकि ओमिक्रॉन की पुष्टि की जा सके। उनके संपर्क में आए लोगों की भी पहचान की जा रही है।

महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के 17 संदिग्ध मामले, इतने ही अकेले मुंबई में:- देश में ओमिक्रॉन के 5 मामले सामने आए हैं। दिल्ली, मुंबई, कनार्टक में कई लोगों के सैंपल्स जीनोम सीक्वेंसिंग के लिए भेजे गए हैं। मुंबई के डोम्बिवली में मर्चेंट नेवी के इंजीनियर की ओमिक्रॉन पॉजिटिव आई है। ताजा खबरों के मुताबिक, मुंबई में ओमिक्रॉन के 17 संदिग्ध मामले हो गए हैं, जिनमें से 13 यात्री और चार उनके कॉन्टैक्ट्स हैं।

मध्य प्रदेश में 10 नए केसों में से आधे भोपाल में; जबलपुर कमिश्नर पॉजिटिव निकले

मध्य प्रदेश में कोरोना के केस लगातार बढ़ रहे हैं। 24 घंटे में 10 नए पॉजिटिव मिले हैं। इनमें जबलपुर के कमिश्नर चंद्रशेखर बोरकर भी शामिल हैं। हालांकि उनके परिवार के चारों सदस्यों की रिपोर्ट निगेटिव आई है। मध्य प्रदेश में लगातार 8वें दिन सबसे ज्यादा 5 कोरोना केस भोपाल में सामने आए हैं। इंदौर, जबलपुर, अनूपपुर, कटनी, शहडोल में 1-1 पॉजिटिव मिला है।

दतिया के ग्राम सनोरा में श्रीमद् भागवत कथा में शामिल होकर कथावाचक श्री रामचरण महाराज जी का आशीर्वाद लिया।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

अर्थव्यवस्था, शिक्षा,
नियोजन, उद्भव,
पर्यावरण, मनोरंजन.

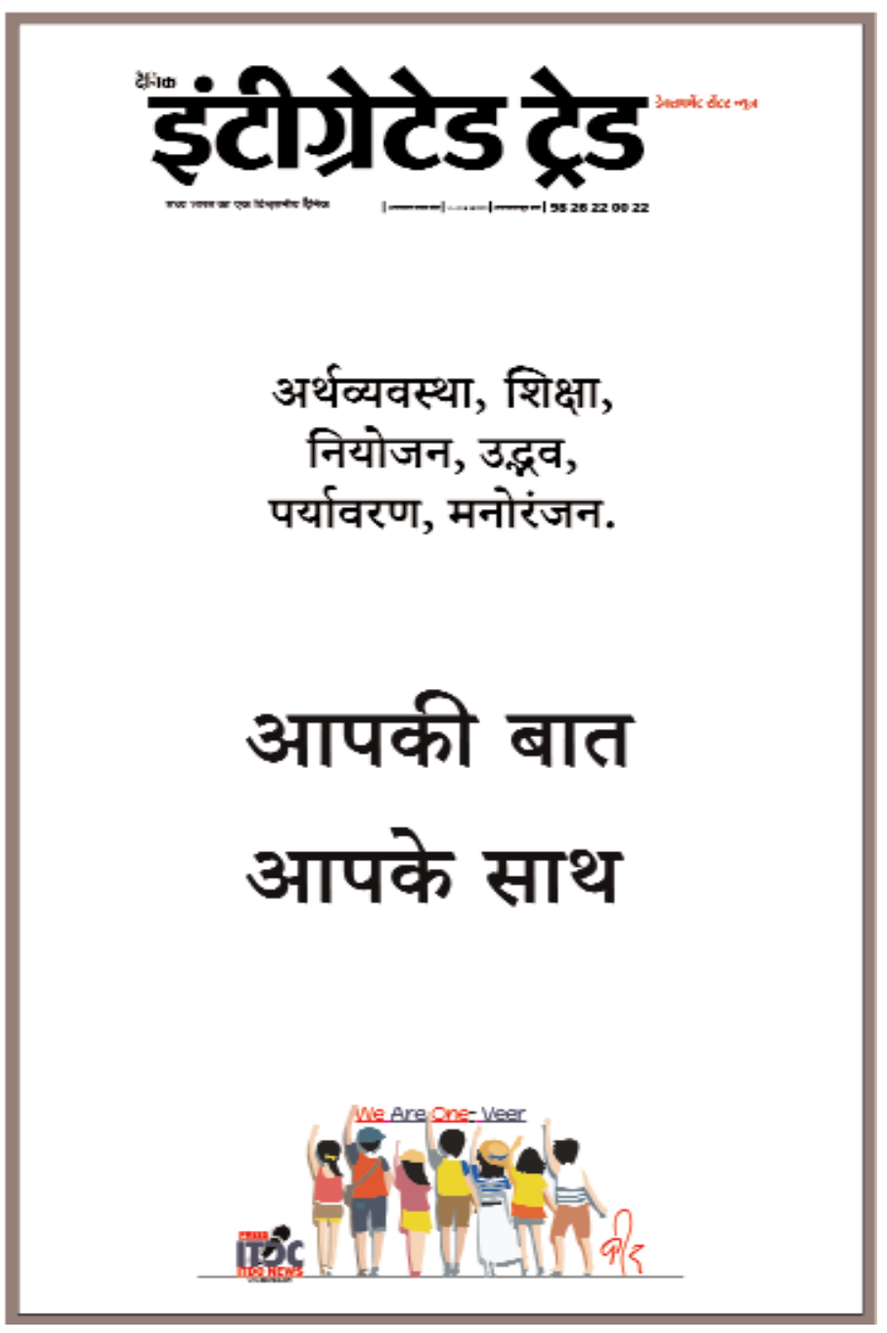

आपकी बात
आपके साथ

दिल्ली मुख्यमंत्री आवास के बाहर सिद्धू का धरना:गेस्ट टीचरों के समर्थन में आए थे; बोले-
ऊंची दुकान फीका पकवान, कहां गए केजरीवाल

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज पंजाब

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिद्धू ने हजारों अध्यापकों को साथ लेकर रविवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल के घर के बाहर जोरदार धरना दिया। यहां उन्होंने जमकर नारेबाजी की और पुराने फिल्मी नगमे सुना-सुनाकर केजरीवाल पर तंज कसे। सिद्धू ने कहा कि ऊंची दुकान फीका पकवान। अरविंद केजरीवाल कहां हैं ? सिद्धू ने ट्वीट पर ट्वीट कर केजरीवाल सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा कि दिल्ली में 1031 स्कूल हैं और इनमें से मात्र 196 में मुख्याध्यापक हैं, जबकि शेष स्कूल बिना प्रमुख के चल रहे हैं। उन्होंने दिल्ली के शिक्षा मॉडल को ठेकेदारी मॉडल करार

देते हुए आंकड़े दिए कि दिल्ली में 45 प्रतिशत अध्यापकों के पद खाली पड़े हुए हैं। 22,000 गेस्ट टीचर स्कूलों में बच्चों को शिक्षित कर रहे हैं, जिन्हें हर 15 दिन बाद अपना कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू करवाना पड़ता है। दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को आदर्श बताकर लोगों को गुमराह करने वालों का सारा शिक्षा ढांचा ठेके पर चल रहा है।

8 लाख नई नौकरियां और 20 नए कॉलेज खोलने का किया था वादा

सिद्धू ने कहा कि आप ने साल 2015 के चुनावी घोषणा पत्र में 8 लाख नई नौकरियां और 20 नए कॉलेज खोलने का वादा किया था, लेकिन अब सारे वादे कहां गए, कहां पर हैं कॉलेज और 8 लाख नौकरियां ? उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार से ही प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ 440 लोगों को नौकरियां दी गई हैं। पंजाब मे गारंटियों की घंटियां बजाने वालों की अपनी घंटी बज गई है और पिछले 5 साल में बेरोजगारों की संख्या पांच गुणा बढ़ गई है। दिल्ली सरकार ने ठेके पर काम करने वालों को स्थायी अध्यापकों की तर्ज पर समान वेतन देने का वादा किया था, लेकिन वो भी हवा हवाई निकला।

आईटीडीसी

Classifieds

वर्गीकृत एवं लघु विज्ञापन

ITDC-VACANCY
29 STATES
ATTENTION
Do continue reading

ITDC प्रॉपर्टी/बेचना

नए भोपाल में स्थित सभी प्रकार की रेसीडेंशियल/कमर्शियल/इंडस्ट्रियल प्रोपटी/ वेयर हॉउस खरीदने-बेचने व रेंटल सर्विस हेतु संपर्क करे:- अनिल प्रोपटीज अरेरा कॉलोनी मो. 9893164317

2 BHK Flat For Sale 800 sqft 1st Floor 24 hrs Water electricity Parking prime location of saket nagar 9A near AllMS hospital price 25 lakh – 70007509

For sale 968/1452/4305 Sqft Plots at Misrod Phase 1-2 3 BHK Flat 1417 Sqft For Sale at Coral Woods Hoshangabad road. Chugh Syndicate Property Pvt. Ltd. – 7000122016, 9425666664

शीघ्र बेचना है 2बीएचके पेंटहाउस 110sqft बिल्डअप,1000sqft ओपन टेरेस के साथ कवर्ड केम्पस बावडिया कला के पास, दानिश चोराहा, कीमत 34.96 लाख. संपर्क 9039059071, 9285559071

बंगला बेचना है E-8 बावडियाकला प्राइम लोकेशन नियम महेन्द्रा पेट्रोलपम्प, 1 होल 5 बेडरूम 5 बाथरूम 1000 प्लाट पर, कार्नर, एमपल हाइट्स लगा, 9893128244, 9893847026

बेचना बिला 3BHK प्लाट साईज 1500 वर्गफीट पर डेम एवं रिवर व्युके साथ कवर्ड केम्पस में कोलार रोड़ बीमाकुंज के पास संपर्क 9754330676, 9111013116

चाहिए 1200 से 1500 स्क्वायर फीट ग्राउंड फ्लोर शाहपुरा, न्यूमार्केट, अरेरा कोलनी, में हार्टथेरोपी सेण्टर हेतु सेव्यं ट्रीटमेंट – 7723911555, 9977310314

For sale 1200/2100/ 2500 Sqft Commerical Plots on 200ft Rode $ 80ft @ BagmugaliNear Aashima mall Hosangabad Rode.Chugh Syndicate Property Pvt.Ltd, 32 Zone-1, MP Nagar – 700012201, 9425666664.

मिनाल रेसीडेंसी (अयोध्या वायपास रोड़/जेकेरोड़े के आस पास की कोलोनी/केम्पस) एबम साकेत/शक्ति /विद्या नगर में प्लाट/मकान खरीदने –बेचना/ रेंटल सेवाए हेतु – प्रापर्टीएको 9826098008

ITDC प्रॉपर्टी/रेन्ट पर

For Rent 2bhk fully furnished in Gulmohar Colony Rent 15000/- Contact @ 8962643902

E-3/258 अरेरा कोलोनी में ग्राउंड फ्लोर पर 2BHK, 1BHK अलग–अलग फेमिली हेतु किराये से देना है संपर्क:- 7000735468, 9425601374(कावलकर)

किराये से -3 BHK फ्लेट Lakeview प्राइम लोकेशन Kohefiza में लिफ्ट, पानी, पार्किंग, किचिन, सर्व सुविधालयुक्त, 8817437959

४BHK platinum Plaza माता मंदिर, Orange 64, 5th फ्लोट, लिफ्ट सुविधा बैंक या शासकीय कर्मचारी की प्राथमिक, संपर्क करे 9893303141

किराये से देना है प्रथम मंजिल पर होल करीब 2500 वर्गफीट सराफा बाजार बेरागढ़ में जिम, कोचिंग हेतु उपुक्त 9303132326, 7374498931

MAHADEV PROPERTY CONSULTANT:WE Require 1200/2100 sqft Commerical and 1000/1200/1500/2100sq ft Residential Plot in Danishkunj and 1000/1500/2100sqft Residential Plot in danishhills, 9425008779

१st Floor for rent in E1 Arera Colony. 3 BDHK. Attached backyard. 24 hours water supply & 1 car parking. Rent 24k/month. Priority for family. Mob. 9325522818

For Rent Available 10no. main market, Arera colony, near SBL Main Road Front Ground Floor Showroom 756sqft Contact – 9893022224

३BHK Semi furnished Corner flat for rent in E-8 Ext. Bawadia kalan Near aura mall secured campus with all morden amenities 9826974630

To-Let 2 BHK semi furnished flat at 5th floor 24 hrs security at mahadev Aparthment opp board office MP nagar 8889996171

ITDC आवश्यकता

Required School Development Manager (Sales) on Fixed & Incentive basis. Location– Guna, Rajgharh, Sehore, Vidisha & Bhopal. Send your Resume @ hr@schoolnovate.com, call or what's app at 8850388123

आवश्यकता 12वी/ ग्रेजुएट लड़के लडकियों भोपाल इंदौर जबलपुर कंप्यूटर ऑपरेटर हिंदी इंग्लिश टाइपिंग, एडमिन पियून, ड्राइवर, गार्ड, गार्डनर टेली कॉलिंग, बैक ऑफिस मार्केटिंग 9171334247 ,9425439035

ITDC घोषणायें

I, Vandana Sharma D/o Shri Rakesh Kushwah R/o Gram Bichhiya, Teh Nateran, Distt Vidisha, self-declare that my earlier name was Vandana Kushwah & after marriage it is changed to Smt Vandana Sharma W/o Shri Rajeev Sharma. Be known to all in general & concerned.

I, Mahendra Pal, (Army No. 15391408P), R/o Ujjain, declare that in my army record, my daughter name was entered as "BHOOMI PAL". This note is

ITDC व्यापार

मेकइन इंडिया ऊद्योग करें 15000/- - 56000/- प्रतिमाह कमाए 300 प्रकार क्र हार्डवेयर प्रोडक्ट बनाकर हमे बेचें माल लेनदेन कोर्ट एग्रीमेंट B - 30, गिरनारवेली अयोध्या बाइपास भोपाल 8827683225, 8349961787.

डिस्पोज़ल, चार्जर, कवर, मास्क, गिलास, चपल -जूता, कपडे की फेक्टरी लगवाएं (कचे मलाले तैयार मालदे) लाखों कमाए, ब्रांच फ्री 9050513766

स्वदेशी गृहउघोग लगायें सामान बनाकर हमें दें 10000/- से 45000/- तक घर के कार्य करके कमाये फ्री ट्रेनिंग, कोर्ट अग्रीमेंट के साथ 270/2, सक्तिनगर भोपाल 9111114876

Classifieds
98 26 22 00 22
मध्य भारत का विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

DISPLAY CLASSIFIEDS
10x04cms @ 5,000/-
05x04cms @ 3,000/-

RUNNING CLASSIFIEDS
Run on line @ 1,000/- (40words)
MonthlyROL @ 10,000/- (monthly)

MATRIMONY CLASSIFIEDS
4cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
Run on line (40words) @ 1,000/-

OBITUARY/CONDOLANCE
8cms(W) x 10cms (H) @ 3,000/-
4cms(W) x 10cms (H) @ 2,000/-

Public/Court Notice 4x10 cm
@ 3000/- above length sqcm

ITDC आवश्यकता

आवश्यकता है छोटे परिवार के लिए भोजन बनाने हेतु अनुभवी महिला कुक की. जो घर के सभी कार्य करने में दक्ष हो. वेतन योग्यतानुसार. संपर्क चूना भट्टी, वलमी रोड, भोपाल 9302447796

ऑफिस कार्य हेतु एजुकेटेड युवती की आवश्यकता है , वेतन 10 से 15000/- संपर्क समय दोपहर 1 से 5 तक, ऑफिस- एम.पी. नगर जोन-1 भोपाल, मो. 9109528142

Required ACCOUNTS ASSISTANT M/F (min exp 2 yrs in Tally) & SITE SUPERVISOR (ITI/diploma in Civil). Send Resume to head.sales@bdspl.com MOB- 9516248569

ITDC शिक्षा

क्लास 9 से 12 तक मैथ्स एव फिजिक्स क्लासेस 25 वर्ष के अनुभवी प्रोफ़ेसर संजय कलरैय्या द्वारा मार्गदर्शन संपर्क DK3/1/39 वेरोनिका अपार्टमेंट (नियर जैन मंदिर), दानिशकुंज कोलाररोड 9907390336, 9424454002

Spoken English Classes. Contact –The Proficient, FF-07, Dadaji Avenue, Above Raymond Showrox`om, Chuna Bhatti, Kolar Road, Bhopal. Mobile- 9993961503

CHEMISTRY by 19 Years Experienced Turor With M.Sc., B.Ed. For NEFT. JEE (Main+adv) (9,10,11,12 of ISC, ICSE, CBSE, MPBSE) with Free Counseling

ITDC सेवायें

मुद्रा फाइनेंस जनधन द्वार समस्त लोन 1,00,000- 90,00,000 तक 2% ब्याज 5% छूट पर महिलाओं हेतु विशेष छूट 8989273203

घर बैठे सोफा रिपेयरिंग सोफ़ा चेयर कारपेट ड्राईक्लीनिग, सोफ़ा का कपडा फॉमकुशन बदलवाए, नया सोफ़ा कुशल कारीगरों द्वारा बनवाये वुडनपोलिश, रु पेश 9893266312, 9039230380

वाटरहिट (प्रोफिंग प्रोसेस द्वारा अच्छी एस केमिकल्स, एसपेंट ट्रीटमेंट, प्रेशर ग्राउंडिंग हर मौसम सीपेज लीकेज नए पुराने बंगलो, छत, दीवाल कंपनी द्वारा करवाये| शासकीय, प्राइवेट हेतु मटेरियल उपलब्ध, धोखाधडी से सावधान 9827733954, 9406543722

Shop for Sale:
Inside Complex,
10x11 fts,
ground floor,
DIG Bungalow,
Berasia Road,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

To let Shop:
Inside Complex,
10x14 fts,
ground floor,
Arera Colony,
10 No Market,
Bhopal
Mb 7000831264,
9752705333

BOOK YOUR TICKET IN
60
SECONDS
AIR
TRAIN
BUS
JUST CLICK
www.bookmyticketonline.in

ITDC

VACANCIES

खबर की खबर

शिक्षा व संस्कृति का प्रसार

भारत अपने ज्ञान विज्ञान के बल पर विश्व गुरु के रूप में प्रतिष्ठित रहा है। हमारे यहां शिक्षा का मूल उद्देश्य रोजगार या डिग्री प्राप्त करना नहीं था बल्कि यह धर्म अर्थ काम के मर्यादा अनुरूप पालन करने का मार्ग प्रशस्त करती थी। इससे नैतिक विचारों का जागरण होता था। इस मार्ग पर चलते हुए मोक्ष तक पहुंचने की कामना रहती थी। आज दुनिया में अनेक प्रकार की विकृति दिखाई देती है। नैतिकता का महत्व नहीं रहा। आतंक और नफरत का वातावरण है। प्रकृति का प्रकोप बढ़ रहा है। उपभोगवादी सभ्यता संस्कृति से भौतिक विकास तो हुआ लेकिन अनेक समस्याओं का जन्म भी हुआ। इनका समाधान पाश्चात्य जगत के पास नहीं है।

ऐसे में भारतीय चिंतन पर विचार होने लगा है। कोरोना कालखंड में इसे प्रत्यक्ष रूप में देखा गया। नई शिक्षा नीति में सांस्कृतिक मूल्यों को भी महत्व दिया गया। इसके पहले भी अनेक आध्यात्मिक संस्थान शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति व राष्ट्रीय स्वाभिमान का जागरण करते रहे हैं। इनमें गोरक्ष पीठ भी सम्मलित रही है। गोरक्ष पीठ के योगी श्री महंत व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसका उल्लेख किया। कहा कि धर्म केवल उपासना मात्र नहीं है। धर्म हमें सदाचार,नैतिक मूल्य और अपने स्वयं के कर्तव्यों के प्रति निरंतर प्रेरित करता है। भारतीय परंपरा किसी को कोई विशेष पूजा पद्धति का अनुसरण करने के लिए बाध्य नहीं करती है। महंत महेंद्रनाथ जी ने गोरखपुर में गोरक्षपीठ की परंपरा को देखा। वहां कार्य करने का अनुभव प्राप्त किया। गोरखपुर में गोरक्षपीठ में दिग्विजयनाथ महाराज जी,अवैद्यनाथ महाराज जी के मार्गदर्शन में प्रेरणा ली। धर्मस्थल की सामाजिक कार्यों सहभागिता को देखा। इस प्रकार धार्मिक संस्थान को लोककल्याण माध्यम बनाया जा सकता है।

गोरख पीठ ने 1932 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के माध्यम से शिक्षा के लिए एक व्यापक अलख जगाने का कार्य किया। आज महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के पचास से ज्यादा संस्थान कार्यरत हैं। पांच हजार से ज्यादा शिक्षक शिक्षण कार्य कर रहे हैं। पचास हजार से अधिक बच्चे इन संस्थानों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा पॉलिटेक्निक व पहले डिग्री कॉलेज की स्थापना के माध्यम से शिक्षा को बढ़ाने का कार्य किया गया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा गोरखपुर में विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए जमीन दान की गई। गोरखपुर में गोरक्षपीठ द्वारा वनवासी छात्रों के लिए छात्रावास की स्थापना की गई। जिसमें थारू जनजाति के छात्रों व नागालैण्ड,मिजोरम, मेघालय क्षेत्रों से जनजाति के छात्रों को शिक्षा प्रदान की जाती है। उसी तर्ज पर थारू जनजाति छात्रावास की स्थापना हुई। बलरामपुर के बच्चों को आधुनिक शिक्षा प्रदान करने के लिए देवीपाटन मंदिर में देवीपाटन विद्यालय की स्थापना की गई। देवीपाटन तुलसीपुर में थारू जनजाति छात्रावास की स्थापना की गई।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मंदिर का स्वरूप सेवा का माध्यम होना चाहिए। इसी भावना के साथ महंत महेंद्रनाथ जी ने देवीपाटन तुलसीपुर में लोक कल्याणकारी कार्यों को प्रारंभ किया किया। वह निरंतर लोक कल्याणकारी पथ पर आगे बढ़ते रहे। उन्होंने लोक कल्याण के लिए अपने जीवन को समर्पित कर दिया। लोक कल्याण, मानवता के कल्याण, शिक्षण संस्थाओं की स्थापना, स्वास्थ्य की बेहतर सुविधा, गौ सेवा कार्यों को मंदिर से जोड़ते हुए आगे बढ़ाया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर आस्था के प्रतीक के साथ-साथ भारत और नेपाल के सांस्कृतिक स्वरूपों को जोड़ने का एक महत्वपूर्ण आधार है। नवरात्र के अवसर पर रतननाथ देवता जी की सवारी देवीपाटन तुलसीपुर आती है। यह सवारी सामान्य सवारी ना होकर भारत और नेपाल के प्राचीन आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूती प्रदान करने का एक माध्यम है।

भारत की व्यवस्था में हमारे ऋषि-मुनियों और संतों ने पूरी व्यवस्था में जीवन को पुण्य एवं पाप के साथ जोड़ा। पाप-पुण्य की अवधारणा लोगों को सत्य व धर्म के रास्ते पर चलने को प्रेरित करती है। भारतीय चिंतन के अनुसार सभी जीव-जंतु में आत्मा होती है। इसलिए प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव का संदेश दिया गया। योगी आदित्यनाथ का संबोधन इस भारतीय दर्शन के अनुरूप था। उन्होंने कहा कि प्रकृति के जीवन चक्र में केवल मनुष्य ही सब कुछ नहीं है। मनुष्य इसका बहुत छोटा-सा हिस्सा है। हर जीव-जन्तु एक-दूसरे पर निर्भर रहता है। एक-दूसरे पर उसका जीवन टिका हुआ है। मनुष्य यदि अपने अस्तित्व को बचाने के लिए शेष जीव-जन्तुओं के अस्तित्व के साथ खिलवाड़ करेगा, तो यह खिलवाड़ एक दिन उसी के लिए भीषण संकट का कारण बनेगा। इसलिए जीव-जन्तुओं के साथ-साथ पर्यावरण की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व होना चाहिए।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि किसी मनुष्य के मूल व्यवहार को जानना है तो जीव-जन्तुओं के प्रति उसका जो व्यवहार है, वही उसका मूल स्वभाव होता है। अगर वह मूक पशु-पक्षियों के प्रति हिंसक है तो वह मानवता के प्रति भी हिंसक होगा। अगर वह मूक पशु-पक्षियों के प्रति संवेदना रखता है, तो वह मानवता के प्रति संवेदनापूर्ण व्यवहार करने की क्षमता रखता है। इससे प्रत्येक व्यक्ति के व्यवहार और उसकी प्रकृति के बारे में जाना जा सकता है। प्रकृति के जीवन चक्र को बचाने के लिए उनके मन में उसी प्रकार की भावनाएं भी पाई जाती है।

राज्य सरकार ईको टूरिज्म को बढ़ावा दे रही है। इस दृष्टि से अनेक क्षेत्र चिन्हित किये गये हैं। इन क्षेत्रों पर बेहतरीन तरीके से कार्य किया जा रहा है। इसे आगे बढ़ाने में पर्यटन विभाग के सहयोग से विभिन्न गतिविधियों को संचालित किया जा रहा है। प्रदेश में सत्तर वर्षा में दो प्राणी उद्यान ही बन पाये थे। जबकि विगत पांच वर्षा में एक प्राणी उद्यान गोरखपुर में स्थापित किया गया है। इस अवधि में वन विभाग के प्रयासों और समन्वय से सौ करोड़ वृक्षारोपण किया गया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोई भी वन्य जीव मनुष्य को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता। बशर्ते अगर मनुष्य से उसको कोई खतरा न हो। लेकिन जब मनुष्य अपने स्वयं के विस्तार एवं अस्तित्व के साथ अपनी खुशहाली के लिए किसी भी जीव-जन्तु के क्षेत्र में हस्तक्षेप करता है

न्यूज ब्रीफ

आईआईटी गुवाहाटी में बढ़ा प्लेसमेंट

नई दिल्ली। इस साल कैंपस से भर्तियों में तेजी देखी जा रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी में इस साल पहले 2 दिन के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कैंपस से भर्तियों में पेशकश की संख्या में 50.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भर्तियों की पेशकश 1 दिसंबर से शुरू हुई है और दूसरे दिन के अंत तक आईआईटी गुवाहाटी में 530 नौकरियों की पेशकश की गई थी, जबकि पिछले साल पहले 2 दिन की प्रक्रिया में 353 पेशकश की गई थी। इसके अलावा इस संस्थान में पहले 2 दिन के दौरान अंतरराष्ट्रीय पेशकश में भी बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल जहां कुल 4 पेशकश हुई थी, इस साल अंतरराष्ट्रीय पेशकश शुरुआती दो दिन में 28 रही है। वेतन पैकेज में भी इस साल उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले साल उच्चतम अंतरराष्ट्रीय पेशकश 36 लाख रुपये थे, जबकि इस साल सबसे ज्यादा 2.05 करोड़ रुपये की पेशकश की गई है। उबर की ओर से सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय पेशकश आईआईटी गुवाहाटी के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को की गई है। इसी तरह से सबसे ज्यादा घरेलू पैकेज भी पिछले साल के 70 लाख की तुलना में 70 प्रतिशत बढ़कर इस साल 1.2 करोड़ रुपये हो गया है। प्री प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) भी 2020 के 133 से 34.5 प्रतिशत बढ़कर इस साल 179 हो गया है।

भारत के भविष्य में भरोसाः सॉफ्टबैंक

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक ग्रुप के संस्थापक मासायोशी सोन ने कहा कि उन्हें भारत के भविष्य में विश्वास है, जो उज्ज्वल होने जा रहा है तथा उन्हें देश के युवा उद्यमियों के जुनून पर भरोसा है। सोन ने इंटरनैशनल फाइनैंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (आईएफएससीए) और ब्लूमबर्ग द्वारा आयोजित इनफिनिटी फोरम में कहा %भारत महान होगा। भविष्य उज्ज्वल है। मैं भारत के युवाओं से कहता हूं चलो, हम इसे (नवोन्मेष) करें। मैं समर्थन करूंगा।% सोन ने कहा %मैं भारत के भविष्य में विश्वास रखता हूं। मैं भारत के युवा उद्यमियों के जुनून में विश्वास रखता हूं। दुनिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी-केंद्रित निवेश कोष - 100 अरब डॉलर वाले विजन फंड के पीछे निवेशक के रूप में उनके दृष्टिकोण के संबंध में चर्चा हो रही थी, जो एक समान अवसर प्रदान करने और दुनिया भर में फिनटेक उद्योग को विकसित करने के लिए अल्पावधि के पार विचार करने तथा वैश्विक भलाई के लिए इसका उपयोग करने से संबंधित थी। सोन ने कहा कि कई साल पहले जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी टोक्यो आए थे, तो उन्होंने उनसे मुलाकात की थी। सोन ने बताया %मैंने कहा, मैं भारत के भविष्य में विश्वास रखता हूं और मैं निवेश करना चाहता हूं। उन्होंने जापान में अन्य बड़े दिग्गजों से भी मुलाकात की थी और वह मुझे नहीं जानते (ठीक से) थे। लेकिन मैंने उनसे सबसे बड़ा वादा किया था कि मैं भारत में पांच अरब डॉलर का निवेश करूंगा।

भारत अपने स्टैक से दुनिया भर के लोगों को करेगा लाभान्वित

नई दिल्ली। भारत अपने द्वारा तैयार स्टैक का फायदा उठाने के लिए 50 से 60 देशों तक पहुंच रहा है ताकि उसका उपयोग दुनिया में आम लोगों की भलाई के लिए किया जा सके। देश में खुदरा डिजिटल भुगतान के लिए मुख्य संगठन नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन (एनपीसीआई) के सीईओ दिलीप अस्बे ने यह बात कही। इनफिनिटी फोरम में बोलते हुए अस्बे ने कहा, %हम बैंक फॉर इंटरनैशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) और विश्व बैंक के साथ काम कर रहे हैं और दुनिया के 50 से 60 देशों, उनकी सरकारों और नियामकों तक पहुंच रहे हैं। हम चाहते हैं कि भारत द्वारा तैयार स्टैक का लाभ उठाया जाए ताकि दुनिया में आम लोगों को उसका फायदा मिल सके। हम इसे भुनाना नहीं चाहते हैं बल्कि दुनिया की मदद करना और दुनिया भर के लोगों की आजीविका में सुधार लाना चाहते हैं। यह भारत का योगदान होगा। अस्बे ने कहा कि दुनिया के हरेक देश में स्थानीय अथवा घरेलू स्टैक होना चाहिए क्योंकि उनकी अपनी जटिलताएं एवं विविधताएं हैं। उन्होंने कहा, एनपीसीआई में हम दृढ़ता से मानते हैं कि हरेक देश का अपना स्टैक होना चाहिए और फिर उन्हें आपस में जोडऩा संभव है।

ओमिक्रॉन से डरा डिजिटल टोकन : क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भारी गिरावट, एक घंटे में बिटकॉइन का भाव 10 हजार डॉलर घटा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में 24 घंटे में भारी गिरावट आई है। इसकी सबसे प्रसिद्ध करेंसी बिटकॉइन का भाव 20 फीसदी टूट गया है। एक घंटे में 10 हजार डॉलर भाव गिरा है। यह 42,296 डॉलर पर आ गई है। 15 दिन पहले 56 हजार डॉलर पर कारोबार कर रही थी। अन्य करेंसी में, कार्डानो का भाव 27.40 फीसदी, सोलाना का भाव 22.90 फीसदी , डागकॉइन की कीमत 34.22 फीसदी , शिबा इनू की कीमत 25 फीसदी और XRP की कीमत 35 फीसदी आज गिरी है।

कई देशों में रेगुलेशन कठोर किए जाने की पहल

दरअसल, कई देशों में क्रिप्टोकरेंसी को लेकर रेगुलेशन और प्रतिबंधों की वजह से निवेशक इस समय नर्वस हैं। बिटकॉइन ने हालांकि 20 फीसदी टूटने के बाद थोड़ी रिकवरी दिखाई और यह 47,600 पर कारोबार कर रही थी। यानी इसमें तब भी 11 फीसदी की गिरावट थी। क्रिप्टो की दूसरी सबसे बड़ी करेंसी एथर की कीमत 17.4 फीसदी तक गिरी और बाद में यह 10 फीसदी की गिरावट के साथ कारोबार कर रही थी।

वैल्यू में 20 फीसदी की कमी

क्रिप्टो सेक्टर की बात करें तो इसके वैल्यू में करीबन 20 फीसदी की कमी आई है। इसकी कुल वैल्यू 2.2 लाख करोड़ डॉलर हो गई है। पिछले महीने यह 3 लाख करोड़ डॉलर तक चली गई थी। जानकारों के मुताबिक, फाइनेंशियल बाजारों में क्रिप्टो को असेट मानने से इनकार किया जा रहा है। महंगाई बढ़ने से दुनिया भर के सेंट्रल बैंक मॉनिटरी पॉलिसी को और कठोर कर सकते हैं। इससे सिस्टम में लिक्विडिटी की कमी आ सकती है। कोराना के नए ओमिक्रॉन वैरिएंट ने भी निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। ऐसी आशंका है कि इससे ग्लोबल इकोनॉमी फिर से चपेट में आ सकती है। इस हफ्ते पूरी दुनिया के शेयर बाजारों में गिरावट रही। विकसित और विकासशील देशों के बाजारों में हफ्ते भर में 3-4 फीसदी की गिरावट देखी गई।

2.4 अरब डॉलर की रकम निकाली गई

शनिवार को क्रिप्टो के बाजार से करीबन 2.4 अरब डॉलर की रकम निकाली गई है। 7 सितंबर के बाद किसी एक दिन में यह सबसे बड़ी निकासी है। 10 नवंबर के बाद से बिटकॉइन की कीमतों में 21 हजार डॉलर की गिरावट आ चुकी है। उस समय यह 68 हजार डॉलर के पार पहुंच गई थी। हालांकि अभी भी इसने इस साल में 60 फीसदी का रिटर्न दिया है।

अलसल्वाडोर खरीद रहा है बिटकॉइन

अलसल्वाडोर के राष्ट्रपति ने कहा कि हम अभी भी गिरावट के दौर में बिटकॉइन खरीद रहे हैं और 150 बिटकॉइन की खरीदी की गई है। इस देश ने इसी साल में बिटकॉइन को कानूनी मुद्रा के रूप में मंजूरी दी है। बिटकॉइन जुलाई में 30 हजार डॉलर पर पहुंच गई थी। जानकारों का कहना है कि अगर यह 40 से 42 हजार डॉलर पर रुकती है तो फिर से ऊपर जा सकती है। यदि इसमें इससे नीचे का भाव आता है तो यह 30 हजार डॉलर तक भी जा सकती है।

क्रिप्टोकरेंसी खरीदने वाले ध्यान दें

हैकर्स ने 905 करोड़ रुपए के बैजर क्रिप्टो उड़ाए, पुरानी वेब टेक्नोलॉजी का उठाया फायदा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

बीते कई महीनों से लगातार सुर्खियों में रहने वाली क्रिप्टोकरेंसी भी सुरक्षित नहीं है। हैकर्स ने ब्लॉकचेन बेस्ड डीसेंट्रलाइज्ड फाइनेंस प्लेटफॉर्म बेजरडीएओ से 120 मिलियन डॉलर (करीब 905 करोड़ रुपए) कीमत के क्रिप्टो टोकन चुरा लिए हैं। प्लेटफॉर्म द्वारा साइबर अटैक को रोकने से पहले कई क्रिप्टो वॉलेट्स को खत्म कर दिया गया था। बैजर ने बताया कि उसे यूजर फंड से अनऑथोराइज्ड विड्रॉल की रिपोर्ट मिली है। बैजर ने बताया जैसा कि हमारे इंजीनियर्स ने इसकी जांच शुरू कर दी है। भविष्य में इस तरह के विड्रॉल को रोकने के लिए सभी स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट को रोका गया है। साथ ही अमेरिका और कनाडा के अधिकारियों को सूचित किया गया है। इस मामले में तेजी से जांच चल रही है। हम जल्द ही इससे जुड़ी दूसरी जानकारी शेयर करेंगे।

मैलेशियस स्क्रिप्ट डालकर चुराई क्रिप्टोकरेंसी

द वर्ज ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि ब्लॉकचेन सिक्योरिटी और डेटा एनालिस्ट पेकशील्ड के अनुसार हैकर्स द्वारा साइबर अटैक में चुराए गए सभी टोकन की कीमत 120 मिलियन डॉलर (करीब 905 करोड़ रुपए) है। रिपोर्ट के मुताबिक, किसी ने उनकी वेबसाइट के यूजर इंटरफेस पर मैलेशियस स्क्रिप्ट डाली थी।

ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी अब भी सुरक्षित

इस साइबर अटैक ने ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के अंदर की खामियों को उजागर नहीं किया है। इसी टेक्नोलॉजी से क्रिप्टोकरेंसी को सुरक्षित रखा जाता है। हालांकि, हैकर्स पुरानी वेब 2.0 टेक्नोलॉजी का फायदा उठाने में कामयाब रहे। ज्यादातर यूजर्स क्रिप्टोकरेंसी के लेन-देन के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं।

क्रिप्टोकरेंसी को रिस्की क्यों माना जाता है?

जब आप रुपए, डॉलर, येन या पाउंड की बात करते हैं तो उस पर उसे जारी करने वाले देश के केंद्रीय बैंक का नियंत्रण होता है। यह करेंसी कितनी और कब छपेगी, वह यह देश की आर्थिक परिस्थिति को देखकर तय करते हैं। पर क्रिप्टोकरेंसी पर किसी का कंट्रोल नहीं है, यह पूरी तरह से डीसेंट्रलाइज्ड व्यवस्था है। कोई भी सरकार या कंपनी इस पर नियंत्रण नहीं कर सकती। इसी वजह से ये रिस्की भी है।

क्या यह निवेश के लिए सुरक्षित और पारदर्शी प्लेटफॉर्म है?

ब्लॉकचेन सबसे सुरक्षित और सबसे पारदर्शी फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी है। लोकप्रिय क्रिप्टो करेंसी बिटकॉइन 2008 की आर्थिक मंदी के बाद तेजी से आगे बढ़ी। तब से अब तक एक सिक्के की कीमत में 90 लाख प्रतिशत की उछाल है। पर इसके साथ दिक्कत यह है कि यह बेहद अस्थिर है। अचानक ऊपर जाती है और धड़ाम से गिर भी जाती है। इस वजह से रिस्क बहुत है। 12 साल में इसने बहुत उतार-चढ़ाव देखा है। करीब 400 बार तो इसके खत्म होने की घोषणा तक हो गई होगी।

कैसे तैयार होती है क्रिप्टोकरेंसी?

क्रिप्टोकरेंसी को माइनिंग के जरिए तैयार किया जाता है। यह वर्चुअल माइनिंग होती है जिसमें क्रिप्टोकरेंसी पाने के लिए एक बेहद जटिल डिजिटल पहेली को हल करना पड़ता है। इस पहेली को हल करने के लिए अपने खुद के एल्गोरिद्म (प्रोग्रामिंग कोड) और साथ ही बहुत ज्यादा कंप्यूटिंग पावर की जरूरत पड़ती है।

गतिविधियों में तेजी रहने के बावजूद नवंबर में पीएमआई सेवा में आई कमी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

नवंबर महीने में सेवाओं में गतिविधि दशक में दूसरी सबसे तेज गति से बढ़ी है। ऐसा तृतीयक क्षेत्र के लिए प्रतिबंधों में ढील दिए जाने कारण संभव हुआ है। हालांकि, इससे पिछले महीने के मुकाबले इसमें मामूली गिरावट आई है। हालांकि, आईएचएस मार्किट पर्चेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) के सर्वेक्षण से पता चलता है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर प्रतिबंधों से विदेशों में मांग कमजोर पड़ी है। सेवाओं के लिए पीएमआई नवंबर में 58.1 रहा जो अक्टूबर के 58.4 से मामूली नीचे है। अक्टूबर में दर्ज की गई यह उछाल साढ़े दस वर्ष का उच्च स्तर था। पीएमआई की भाषा में, 50 से ऊपर के अंक का मतलब विस्तार होता है जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। पीएमआई विनिर्माण के साथ इससे चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के पहले दो महीनों में निजी क्षेत्र के जबरदस्त प्रदर्शन का अंदाजा मिलता है। पीएमआई विनिर्माण नवंबर महीने में 10 माह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। दूसरी तिमाही में जीडीपी में सालाना आधार पर 8.4 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन कोविड से पूर्व 2019-20 की समान अवधि की तुलना में यह महज 0.3 फीसदी ऊपर रही। आईएचएस मार्किट की आर्थिक एसोसिएट निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, %विनिर्माण और सेवा क्षेत्र पर संयुक्त रूप से नजर डालें तो परिणाम और भी अधिक उत्साहजनक है और अब तक तीसरी तिमाही में आर्थिक प्रदर्शन के लिहाज से अच्छा रहा है।% सेवा कंपनियों को नए काम मिलने में लगातार वृद्धि और बाजार की परिस्थितियों में चालू सुधार नजर आया। सेवा प्रदाताओं को मिलने वाले नए काम में मोटे तौर पर अक्टूबर की तर्ज पर ही बढ़त दर्ज की गई। सर्वेक्षण से जुड़ी एक टिप्पणी में कहा गया कि सफल विपणन, मजबूत होती मांग और उपयुक्त बाजार परिस्थितियों ने बिक्री में वृद्धि को बल दिया। ईंधन, श्रम, माल, खुदरा और परिवहन की उच्च लागतों की खबर के बीच सेवा कंपनियों के बीच औसत इनपुट कीमतों में नवंबर में और अधिक वृद्धि हुई। मुद्रास्फीति की समग्र दर अक्टूबर की तुलना में तेज हुई और अप्रैल के बाद पूरे दशक में दूसरी बार सबसे मजबूत रही।

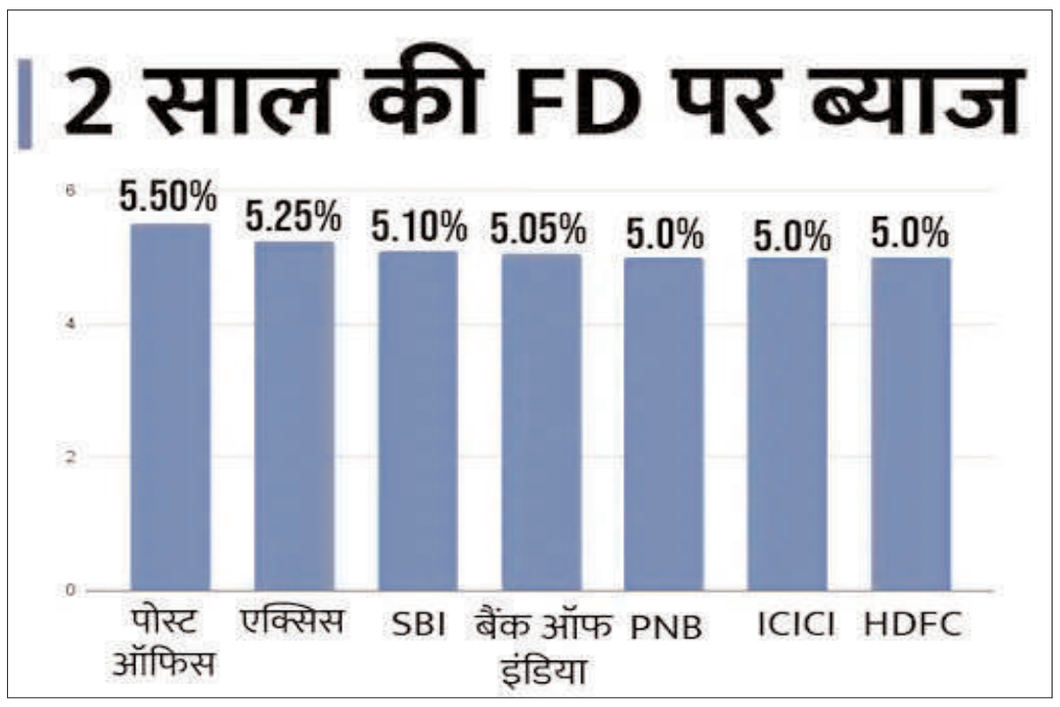

फिक्स्ड डिपॉजिट कराने से पहले जान लें कौन-सा बैंक दे रहा कितना ब्याज

नहीं तो हो सकता है नुकसान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हाल ही में देश के दो बड़े बैंक ICICI और HDFC ने फिक्स्ड डिपॉजिट की ब्याज दरों में बदलाव किया है। ऐसे में अगर आप इन दिनों FD कराने का प्लान बना रहे हैं तो आपको देश के प्रमुख बैंकों की ब्याज दरों के बारे में पता होना जरूरी है। इससे आप सही बैंक में स्नष्ठ कराकर ज्यादा मुनाफा कमा सकेंगे। यहां हम आपको बता रहे हैं कि FD पर कौन सा बैंक कितना ब्याज दे रहा है।

5 साल की स्नष्ठ पर ले सकते हैं टैक्स छूट का फायदा

5 साल वाली स्नष्ठ को टैक्स सेविंग स्नष्ठ कहा जाता है। इसमें निवेश पर इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80C के तहत 1.5 लाख रुपए तक टैक्स छूट ली जा सकती है।

FD से मिलने वाले ब्याज पर भी देना होगा टैक्स

स्नष्ठ से होने वाली ब्याज आय अगर 40000 रुपए (सीनियर सिटीजन के मामले में 50000 रुपए) तक है तो इस पर आपको कोई टैक्स नहीं देना होता। इससे ज्यादा आय होने पर 10 फीसदी TDS काटा जाता है। अगर आपकी FD से सालाना ब्याज आय 40 हजार रुपए से अधिक है लेकिन कुल सालाना आय (ब्याज आय मिलाकर) उस सीमा तक नहीं है, जहां उस पर टैक्स लगे तो बैंक TDS नहीं काटा जाता है। इसके लिए सीनियर सिटीजन को बैंक में फॉर्म 15॥ और अन्य लोगों को फॉर्म 15त जमा करना होता है।

फॉर्म 15G या फॉर्म 15H खुद से की गई घोषणा वाला फॉर्म हैं। इसमें आप यह बताते हैं कि आपकी आय टैक्स की सीमा से बाहर है। जो इस फॉर्म को भरता है उसे टैक्स की सीमा से बाहर रखा जाएगा।

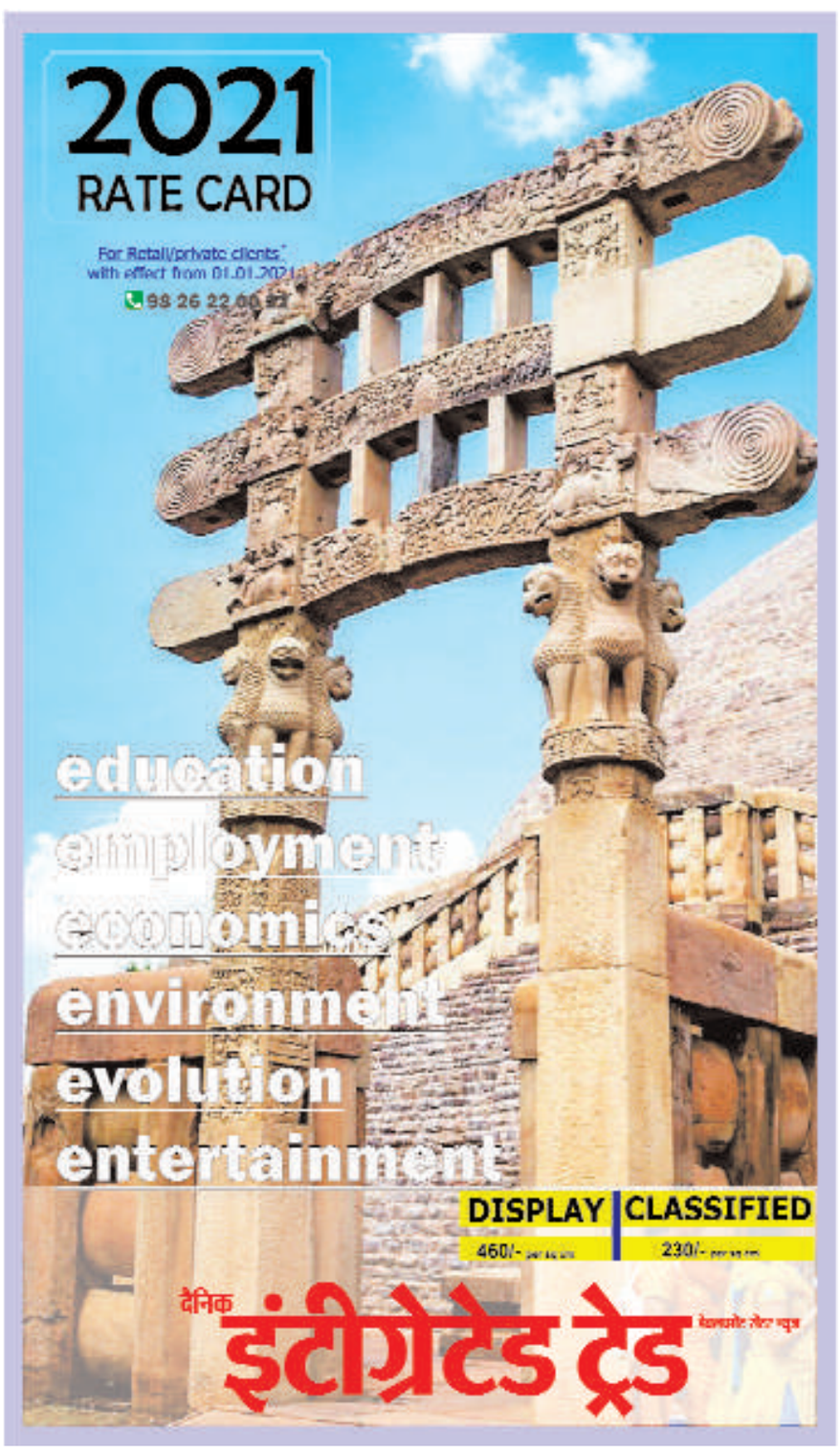

महात्मा के शब्द

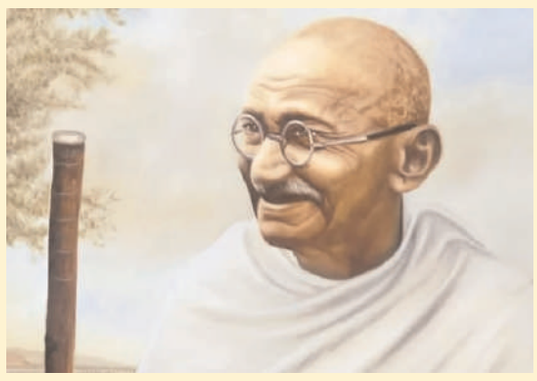

सर्वाधिक उल्लेखनीय व्यक्तियों में से एक, जिन्हें मैं जानता हूं, मद्रास के साहित्य के प्रोफेसर के. स्वामीनाथन थे, जो आगे चलकर महात्मा गांधी के कलेक्टेड वर्क्स के मुख्य संपादक बने। स्वामीनाथन का जन्म तीन दिसंबर, 1896 को पुदुकोट्टई में हुआ था। 1996 में जब उनकी जन्म सदी मनाई जा रही थी, मैंने द हिंदू में उनके जीवन वृत्त पर लिखा था (बाद में विस्तृत रूप से इसे मेरी किताब एन एंथ्रोपोलॉजिस्ट, अमंग द मार्क्सिस्ट ऐंड अदर एसे में संकिलत किया गया)। करीब चौथाई सदी बाद उनके जन्मदिन के मौके पर मैं संपादकीय छात्रवृत्ति के उस महान प्रोजेक्ट के बारे में लिख रहा हूं, जिसे उनकी देखरेख में पूरा किया गया। महात्मा की हत्या के बाद कांग्रेस कार्य समिति ने उनके नाम से नेशनल मेमोरियल फंड की स्थापना की। अंतर-धार्मिक सद्भाव और गांधी के प्रिय रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने के साथ ही यह संकल्प भी लिया गया कि, 'विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध उनके सभी लेखन और शिक्षाओं को एकत्र कर संरक्षित और प्रकाशित किया जाएगा और एक संग्रहालय में गांधी से जुड़ी सामग्री को संरक्षित रखा जाएगा।' 1949 में गांधी स्मारक निधि की स्थापना की गई। साबरमती आश्रम के सहयोग से इसने मोहनदास करमचंद गांधी के व्यापक रूप से फैले लेखन को संग्रहित करना शुरू किया, जो कि विभिन्न विधाओं में और विभिन्न शीर्षकों के साथ अंग्रेजी और हिंदी के साथ ही उनकी मातृभाषा गुजराती में थे। गांधी ने तीन किताबें, सैकड़ों परचे, दर्जनों याचिकाएं, सैकड़ों अखबारी लेख और हजारों चिट्ठियां लिखीं। उन्होंने अनेक साक्षात्कार और ढेर सारे भाषण दिए। उन्होंने लेखन की एक विधा भी ईजाद की। यह थी 'मौन दिवस' की टिप्पणी, जिसे अक्सर उन्होंने सोमवार को लिखा, जब वह मौन रखते थे। 1956 में गांधी स्मारक निधि ने पाया कि उसके पास इतनी सामग्री एकत्र हो गई है, जिसे किताब रूप में लाने का काम शुरू किया जा सकता है। जाने-माने गुजरातीभाषी कांग्रेसी वल्लभाई पटेल के निधन के बाद मोरारजी देसाई की अध्यक्षता में कलेक्टेड वर्क्स तैयार करने के लिए एक सलाहकार बोर्ड की स्थापना की गई। बोर्ड के अन्य सदस्यों में नवजीवन प्रेस का एक प्रतिनिधि – उसका सहयोग जरूरी था, क्योंकि गांधी के लेखन का कॉपीराइट उसके पास था- गांधी के करीबी रहे अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और महात्मा के छोटे बेटे देवदास शामिल थे, जो कि खुद हिंदुस्तान टाइम्स अखबार के संपादक थे। देवदास गांधी ने महात्मा के जीवन के बारे में एक वृत्तचित्र बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, और अब वह उनके लेखन को भी हमेशा के लिए संरक्षित करने में एक भूमिका निभाने जा रहे थे। कलेक्टेड वर्क्स के पहले मुख्य संपादक के तौर पर जिस पहले व्यक्ति की नियुक्ति होनी थी, वह थे भरतन कुमारप्पा। भरतन दर्शन और धर्म के विद्वान थे और एडनबर्ग और लंदन यूनिवर्सिटीज से उन्होंने अपनी डॉक्टेरेट की डिग्रियां ली थीं, साथ ही वह ग्रामीण निर्माण को लेकर गांधी के साथ अनेक वर्ष व्यतीत कर चुके थे। गांधी के लेखन के समायोजन और संपादन से जुड़े काम के लिए भरतन कुमारप्पा एकदम सही व्यक्ति थे। लेकिन छपने के लिए पहला खंड प्रेस में भेजने के बाद जून, 1957 में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उनकी जगह पूर्व स्वतंत्रता सेनानी जयरामदास दौलतराम को लाया गया, लेकिन उनका दिल इस काम में नहीं लगा। नाखुशी में दो साल बिताने के बाद वह राज्यसभा का सदस्य बनने के लिए इससे अलग हो गए। दौलतराम की जगह के. स्वामीनाथन को लाया गया, जिनके नाम की उच्च सिफारिश विनोबा भावे ने की थी। तिरसठ साल की उम्र में स्वामीनाथन साहित्य का अपना शानदार करियर छोड़कर दिल्ली आ गए।

1949 में गांधी स्मारक निधि की स्थापना की गई। साबरमती आश्रम के सहयोग से इसने मोहनदास करमचंद गांधी के व्यापक रूप से फैले लेखन को संग्रहित करना शुरू किया, जो कि विभिन्न विधाओं में और विभिन्न शीर्षकों के साथ अंग्रेजी और हिंदी के साथ ही उनकी मातृभाषा गुजराती में थे।

संपादकीय

अयोध्या के बाद अब मथुरा का मुद्दा क्यों उठा रही भाजपा?

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के ऐन पहले भाजपा ने ठंडे बस्ते में पड़ा मथुरा की कृष्ण जन्म भूमि का मुद्दा जिस तरह से उछाला है, उसके दो संदेश साफ हैं। पहला तो पार्टी आगामी चुनाव में भी साम्प्रदायिकता के अपने आजमाए हुए पिच पर फिर खेलने जा रही है, दूसरे, भाजपा का यह कमजोर आत्मविश्वास है कि वह योगी राज में सुशासन और विकास जैसे मुद्दों के भरोसे चुनाव जीत पाएगी। वरना अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर विहिप हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने पिछले साल साफ कहा था कि उनकी पहली प्राथमिकता भव्य राम मंदिर का निर्माण है। अर्थात् बाकी मुद्दे अभी गौण हैं। लेकिन सवा साल बाद ही यूपी के उपमुख्यमंत्री और भाजपा में विहिप से आए केशव प्रसाद मौर्य ने हाल में ट्वीट कर नई राजनीतिक सनसनी पैदा कर दी कि 'अयोध्या काशी में भव्य निर्माण जारी, मथुरा की तैयारी।' यह सिर्फ संयोग नहीं है कि काशी में विश्वनाथ कॉरिडोर का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 13 दिसंबर को करने जा रहे हैं। मथुरा मुद्दे की राजनीतिक पड़ताल से पहले अयोध्या में बाबरी ध्वंस के समय देश भर में गूंजे नारे को याद करें, वो था- 'अयोध्या पहली झांकी है, मथुरा काशी बाकी है।' लिहाजा अयोध्या में राम जन्मभूमि विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला हिंदुओंके पक्ष में आने के बाद अब मथुरा विवाद की चुनाव में सियासी लहरें उठाने की तैयारी हो चुकी है। यह मामला भी मथुरा जिला सिविल कोर्ट में चल रहा है।

क्या है आखिर मामला?

दरअसल, कोर्ट में श्रीकृष्ण विराजमान की याचिका में 13.37 एकड़ जमीन पर मालिकाना हक की मांग की गई है। याचिका में आधा दर्जन भक्तों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान और शाही ईदगाह प्रबंध समिति के बीच 1968 में हुए समझौते को अवैध बताते हुए उसे निरस्त करने और मस्जिद को हटाकर पूरी जमीन मंदिर ट्रस्ट को सौंपने की मांग की है। श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (पूर्व मे सेवा संघ) और शाही ईदगाह मस्जिद के बीच हुए समझौते के मुताबिक तय हुआ था कि मस्जिद जितनी जमीन पर बनी है, बनी रहेगी। अब श्रीकृष्ण सेवा संस्थान का कहना है कि जिस जमीन पर मस्जिद बनी है, वह श्रीकृष्ण जन्मस्थान ट्रस्ट के नाम पर है और शाही ईदगाह ट्रस्ट ने मुसलमानों की मदद से श्रीकृष्ण से सम्बन्धित जन्मभूमि पर कब्जा कर ईश्वर के स्थान पर एक ढांचे का निर्माण कर दिया।

यह भी मान्यता है कि कुल देवता के रूप में भगवान श्रीकृष्ण का पहला मंदिर श्रीकृष्ण के पड़पोते वज्रनाभ ने बनवाया था। लेकिन इस पूरे प्रकरण में कानूनी पेंच वर्ष 1991 में नरसिम्हा राव सरकार द्वारा पारित धार्मिक आराधना अधिनियम है। इसके मुताबिक 15 अगस्त 1947 को देश की आजादी के समय धार्मिक स्थलों का जो स्वरूप था, उसे बदला नहीं जा सकता। लेकिन उस एक्ट से केवल अयोध्या में श्रीराम जन्म भूमि को अलग रखा गया था। इसका अर्थ यह है कि तब तक कृष्ण जन्म भूमि का विवाद नए सिरे से नहीं उठा था। बेशक, नारे के बतौर यह मुद्दा जरूर रहा है, लेकिन चुनावों में कभी कोर इश्यु नहीं बना। तो अब ऐसा क्या हुआ कि भाजपा को श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुद्दे को फिर से जिलाने की जरूरत पड़ गई। गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा की बंपर जीत का कारण यह था कि उसे गैर यादव वोटरों ने भारी समर्थन दिया था। इस बार पार्टी को भरोसा नहीं है कि गैर यादव पहले की तरह भाजपा के साथ खड़े रहेंगे। अगर यादव भाजपा की तरफ खिंचे तो समाजवादी पार्टी को नुकसान होगा, जो इस चुनाव में सत्ता की दूसरी बड़ी दावेदार पार्टी है। योगी आदित्यनाथ के रूप में अगड़ी जाति के संन्यासी को मुख्यमंत्री बनाने से पिछड़ो में असंतोष पहले से है। हालांकि इस पर मरहम लगाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी कैबिनेट में 28 ओबीसी नेताओं को जगह दी है।

भाजपा को यह दांव इसलिए भी चलना पड़ा है, क्योंकि ब्राह्मण वोट इस बार भी उसके साथ रहेगा, इसका यकीन नहीं है। भाजपा की चिंता इसलिए भी है कि यूपी में ओबीसी मतदाता लोकसभा चुनाव में तो मुख्य रूप से भाजपा को वोट देते हैं, लेकिन विधानसभा चुनाव में वो अलग-अलग जातियों में बंटकर वोट करते हैं। अगर सपा ओबीसी के साथ-साथ मुस्लिम वोटों का बड़ा हिस्सा अपने साथ ले गई तो भाजपा को सत्ता से बेदखल कर सकती है। हालांकि यह इतना आसान नहीं है। ओबीसी वोट गोलबंद करने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने जातिगत जनगणना के मुद्दे को फिर हवा दे दी है, जबकि भाजपा इस मुद्दे पर अपनी मुट्ठी बंधी हुई ही रखना चाहती है।

भगवान कृष्ण की शिक्षाओं में से एक यह भी है कि वक्त के हिसाब से अपनी रणनीति बदलो। लगता है भाजपा ने इसी को ध्यान में रखकर राम जन्म भूमि मुद्दे को श्रीकृष्ण जन्म भूमि मुद्दे से रिप्लेस करने का काम शुरू कर दिया है, लेकिन क्या यह मुद्दा राम जन्म भूमि की तरह आंदोलित कर पाएगा, इसका जवाब आने वाले वक्त में मिलेगा।

कोविड से लड़ाई को कमजोर करती अज्ञानता

इसी महीने आयुष ने विस्तृत सुझाव जारी किया था कि कोविड-19 के संकट के समय प्रतिरोधक क्षमता कैसे बढ़ाई जाए। मंत्रालय ने सुझावों की जो सूची जारी की थी, उसमें सुबह शाम नाक में तिल/नारियल का तेल या घी डालने का सुझाव भी शामिल था। यदि किसी को नाक में तिल या नारियल का तेल डालना पसंद नहीं, तो मंत्रालय ने विकल्प भी सुझाया = तिल या नारियल का एक चम्मच तेल मुंह में डालें, उसे गटकें नहीं, बल्कि दो-तीन मिनट तक मुंह में डालकर हिलाएं और थूक दें और फिर गरम पानी से कुल्ला करें। खुद को कोविड से बचाने के मंत्रालय द्वारा सुझाए गए अन्य उपायों में च्यवनप्राश खाना, हर्बल चाय पीना, भाप लेना आदि शामिल हैं। आयुष मंत्रालय की प्रचार सामग्री में बस यह लिखना बाकी रह गया कि उसकी सिफारिशों पर अमल करने वाले किसी भी देशभक्त को कोरोना नहीं होगा। लेकिन इसका आशय स्पष्ट था-यदि आप इन पारंपरिक तरीकों को अपनाते हैं, तो आप में वायरस के संक्रमण की आशंका कम हो जाएगी। सत्तारूढ़ दल के नेता और प्रचारक 21 वीं सदी की इस सबसे घातक बीमारी के पूरी तरह से अप्रमाणित इलाज की सिफारिश करने में संकोच नहीं करते। मेरे अपने राज्य में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विजय संकेश्वर ने ऑक्सीजन के विकल्प के रूप में नींबू का रस सूंघने की सिफारिश की। द हिंदू की रिपोर्ट के मुताबिक, संकेश्वर ने हाल ही में प्रेस मीट में कहा कि नींबू का रस नाक में डालने से ऑक्सीजन का स्तर 80 फीसदी बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने देखा है कि इस घरेलू इलाज से दो सौ लोग ठीक हो गए, जिनमें उनके रिश्तेदार और मित्र शामिल हैं। इसी रिपोर्ट में बताया गया कि राजनेता की सलाह पर अमल करने के बाद उनके कई समर्थकों की मौत हो गई।

इस बीच, भाजपा शासित एक अन्य राज्य मध्य प्रदेश में संस्कृति मंत्री उषा ठाकुर ने कहा कि हवन से महामारी को प्रभावी तरीके से खत्म किया जा सकता है। द टेलीग्राफ ने मंत्री को यह कहते हुए दर्ज किया, %हम सभी से यज्ञ करने और आहुति देने और पर्यावरण को शुद्ध करने की अपील करते हैं, क्योंकि महामारी को खत्म करने की यह सदियों पुरानी परंपरा है। ऐसा लगता है कि मंत्री के %परिवार% के सदस्यों ने उनकी सलाह को गंभीरता से लिया। व्यापक रूप से प्रसारित एक वीडियो में देखा गया कि काली टोपी और खाकी शार्ट पहने लोग किस तरह से हर घर में नीम की पत्तियां और लकड़ी जलाकर हवन कर रहे थे। एक और बेतुका दावा, महात्मा गांधी के हत्यारे को सच्चा देशभक्त मानने वाली भोपाल की विवादास्पद सांसद ने किया। उन्होंने कहा कि वह कोविड से इसलिए बची हुई हैं, क्योंकि वह रोज गोमूत्र पीती हैं। और भाजपा द्वारा सबसे लंबे समय से शासित गुजरात से खबर आई कि वहां साधुओं का एक समूह नियमित रूप से गोबर का लेप लगाता है, क्योंकि उसे लगता है कि इससे वे वायरस से बचे रहेंगे।

सत्तारूढ़ दल के नेता और प्रचारक 21 वीं सदी की इस सबसे घातक बीमारी के पूरी तरह से अप्रमाणित इलाज की सिफारिश करने में संकोच नहीं करते। मेरे अपने राज्य में भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद विजय संकेश्वर ने ऑक्सीजन के विकल्प के रूप में नींबू का रस सूंघने की सिफारिश की।

सत्तारूढ़ दल के नेताओं द्वारा सुझाए गए संदिग्ध इलाज में एक दवा कोरोनिल भी शामिल है, जिसे पिछले साल सरकारी संत रामदेव ने दो वरिष्ठ केंद्रीय मंत्रियों की मौजूदगी में जारी किया था, जिनमें से एक मंत्री अभी स्वास्थ्य एवं विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्री हैं। आगे बढ़ने से पहले स्पष्ट कर दूं कि मैं चिकित्सा के बहुलतावाद में यकीन करता हूं। मैं यह नहीं मानता कि आधुनिक पश्चिमी चिकित्सा के पास मानव जाति की सभी ज्ञात बीमारियों का इलाज है। मैं अपने व्यक्तिगत अनुभव से जानता हूं कि आयुर्वेद, योग और होम्योपैथी जैसी गैर आधुनिक पद्धतियां अस्थमा, पीठ दर्ज और मौसमी एलर्जी जैसी व्याधियों को कम करने में भूमिका निभा सकती हैं, जिनसे मैं अपने जीवन के विभिन्न कालखंडों में पीड़ित रहा हूं। कोविड-19 स्पष्ट रूप से 21वीं सदी का वायरस है और इससे वे लोग अनभिज्ञ थे, जिन्होंने आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पद्धतियां विकसित की थीं। यह सिर्फ एक साल से थोड़े समय पहले की बीमारी है। इस बात के कोई प्रमाण नहीं हैं कि नीम की पत्तियां जलाने से या गोमूत्र पीने से या पौधों से तैयार गोलियां निगलने से या शरीर में गोबर का लेप करने से या नारियल तेल या घी नाक में डालने से बीमारी को दूर करने में कितनी मदद मिलती है या फिर कोविड-19 के संक्रमण का इलाज करने में ये कितने कारगर होते हैं। दूसरी ओर, हमारे पास यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि दो निवारक उपाय कोविड-19 को दूर करने में बहुत मदद करते हैं। ये हैं सोशल डिस्टेंसिंग और टीकाकरण। और इन दो मामलों में हमारी गर्वित हिंदू सरकार वृहत राजनीतिक और धार्मिक जमावड़ों की मंजूरी देकर, बल्कि प्रोत्साहित कर बुरी तरह नाकाम हुई है। और न ही उसने वैक्सीन का घरेलू उत्पादन बढ़ाने या भारत में इस्तेमाल के लिए नई वैक्सीन के लाइसेंस देने में उत्सुकता दिखाई है, बावजूद इसके कि पिछले कई महीने से इस पर जोर दिया जा रहा है।

मैं वैज्ञानिकों के परिवार से आता हूं। मैंने अपने वैज्ञानिक पिता और वैज्ञानिक दादा से गालियों के रूप में जो शब्द सुने थे, वे थे, मम्बो-जम्बो (बेकार) और सुपर्स्टिशन (अंधविश्वास)। मेरे पिता और दादा अब नहीं हैं; लेकिन मैं यह सोचकर हैरत में पड़ जाता हूं कि मैं जिन विशिष्ट भारतीय वैज्ञानिकों को जानता हूं, वे सत्तारूढ़ दल के राजनेताओं द्वारा कोविड-19 का मुकाबला करने के लिए नीम-हकीमों को बढ़ावा देने के बारे में क्या सोचते होंगे। इन्हें सिर्फ कुछ केंद्रीय मंत्री या कुछ राज्य स्तर के नेता ही प्रोत्साहित नहीं कर रहे हैं। बल्कि संघ परिवार के सदस्य, जिनमें खुद प्रधानमंत्री शामिल हैं, वे भी साझा कर रहे हैं। गौर कीजिए, पिछले साल मार्च के आखिर में उन्होंने क्या किया था, जब महामारी ने पहली बार अपना असर दिखाना शुरू किया था; उन्होंने हमसे ठीक शाम को पांच बजे पांच मिनट तक बर्तन बजाने के लिए कहा; उन्होंने हमसे रात को नौ बजे ठीक नौ मिनट तक मोमबत्ती या टॉर्च से रोशनी करने के लिए कहा।

बॉडी शेमिंग और स्त्री देह

सेलेब्रिटीज का अपने लुक्स और फिटनेस को लेकर सजग रहना जग जाहिर है। वैसे तो फिट और प्रेजेंटेबल रहना किसी भी व्यक्ति के लिए अच्छी बात है, लेकिन ग्लैमर इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के लिए तो यह रोजी-रोटी का भी सवाल होता है, इसलिए इंटरनेट पर आपको सेलेब्रिटीज के जिमिंग या फिटनेस एक्टिविटीज से जुड़े ढेरों वीडियो और तस्वीरें मिल जाएंगी। आम लोग भी कई बार इनसे प्रेरणा लेकर फिटनेस के लिए कदम उठाते हैं। मुश्किल यह है कि इन सेलेब्रिटीज के शरीर पर चढ़ी चर्बी की एक भी परत फैन्स को परेशान करने लगती है। खासकर सेलिब्रिटी अगर कोई महिला है तो। ऐसे ही कुछ फैन्स ने कुछ ही समय पहले रुबीना दिलैक को ट्रोल किया और रुबीना ने उन्हें करारा जवाब भी दे दिया। रुबीना ने सोशल मीडिया साइट पर ऐसे लोगों को स्यूडो फैन्स यानी नकली या छद्म फैन कहकर सम्बोधित किया है। रुबीना दिलैक टीवी जगत की एक जानी मानी हस्ती हैं। उन्होंने बिग-बॉस का पिछला सीजन अपने नाम किया है और वो भी बकायदा जनता की पहली पसंद बनकर। सबसे खास बात यह कि रुबीना बिग बॉस में भी अपने समय पर सोने, पौष्टिक खाने और योगा की वजह से चर्चा में रही थीं। दरअसल, बिग बॉस के कुछ समय बाद ही वे कोरोना की चपेट में आ गई थीं और उसके बाद उन्होंने खुद ही सोशल मीडिया अकाउंट पर बताया था कि रिकवरी की फेज में उनका वेट कुछ बढ़ गया है। जाहिर है कि ये कोई नई बात नहीं। आखिर सेलिब्रिटीज भी तो इंसान ही होते हैं। रुबीना एक पहाड़ी महिला हैं और यह एक स्थापित तथ्य है कि मैदानी इलाकों की तुलना में पहाड़ी इलाकों की जिंदगी ज्यादा दुर्गम होती है। पहाड़ी लोग बहुत सहज, लेकिन जीवटता और कठिनाई से भरी जिंदगी जीते हैं और खुश रहते हैं। रुबीना जल्द ही अपनी पुरानी काया में लौट आएंगी और न भी लौटना चाहें तो ये उनका अपना निर्णय है। उनको सच में प्यार करने वाले उनको हर सूरत में प्यार करेंगे। रुबीना पहली नहीं हैं जिन्हें इस तरह की बॉडी शेमिंग का शिकार होना पड़ा। इसके पहले विद्या बालन, ऐश्वर्या राय बच्चन जैसे बड़े नामों से लेकर टीवी की ही कई हस्तियां इस तरह से लोगों के निशाने पर रही हैं। बात केवल सेलिब्रिटीज तक ही सीमित नहीं है। आमतौर पर हमारे यहां औरतों का छरहरा होना उसका असेट माना जाता है। मैंने कई पढ़े-लिखे लोगों को यह कहते सुना है कि उन्हें शादी के लिए दुबली लड़की चाहिए क्योंकि शादी के बाद जब लड़कियां %फैल% जाती हैं तो अच्छी नहीं दिखतीं। और शादी के बाद तोन्दीयल हुए आदमी संतुष्ट और सुखी वैवाहिक जीवन का उदाहरण होते है। आश्चर्च है कि वजन के प्रति ये चिंता औरतों के स्वास्थ्य से जुड़ी नहीं होती। आमतौर पर यह नहीं कहा जाता कि लड़की/औरत इसलिए दुबली और कम वजन वाली होनी चाहिए ताकि वह स्वस्थ रहे और किसी बीमारी का शिकार न हो। ज्यादातर वजन कम करने की कवायद इसलिए करवाई जाती है कि काया अच्छी दिखती रहे।

पाइरेट्स ऑफ कैरेबियन सीरीज की पहली मूवी %पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन= द कर्स ऑफ द ब्लैक पर्ल% में एक सीन है, जहां हीरोइन कायरा नाइटली के लिए उनके पिता एक ड्रेस लाते हैं। उस समय के ब्रिटेन समेत यूरोप के ज्यादातर स्थानों पर महिलाओं के परिधान के साथ होते थे कॉर्सेट। कॉर्सेट एक तरह का ढांचा होता है जो किसी परिधान के नीचे इस तरह पहनाया जाता है कि शरीर पूरी तरह बंधन में कसा रहे। इस ढांचे का मुख्य मकसद युवतियों के पेट को सपाट और वक्ष तथा कूल्हों को उभारने का हुआ करता था। खासकर राजकुमारियों, संभ्रांत वर्ग की महिलाओं के लिए यह एक आवश्यक चीज हुआ करती थी। 16 वीं शताब्दी में यूरोप में इस ढांचे ने बहुत लोकप्रियता हासिल की थी। यह विक्टोरिया युग था और कॉर्सेट को अंडरगारमेंट्स यानी अधोवस्त्र की तरह पहना जाता था। जब उनके पिता कहते हैं- आय एम टोल्ड दैट इट्स अ लेटेस्ट फैशन इन लंदन (मुझे बताया गया था कि ये लंदन में लेटेस्ट फैशन है), तब कायरा कहती हैं-वेल, देन वीमेन इन लंदन मस्ट हैव लर्न नॉट टू ब्रीद (ओह! तब तो लंदन की महिलाओं को बिना सांस लिए जीना सीख लेना चाहिए)। कॉर्सेट को असल में बनाया महिला-पुरुष दोनों के लिए बनाया गया था। खासकर बच्चों की रीढ़ की हड्डी को शेप में रखने के हिसाब से इसे बनाया गया था लेकिन बाद में यह महिलाओं की देह को आकर्षक बनाए रखने के लिए ज्यादा इस्तेमाल में लाया जाने लगा। यहां तक कि इसमें कपड़े के अलावा मैटल प्लेट्स, लकड़ी, हड्डियों, जानवर के सींग आदि का उपयोग भी होता था। जरा सोचिए दिनभर उस भारी ढांचे को देह पर लादे रहना, न ठीक से खा पाना न सांस ले पाना, क्या स्थिति होती होगी महिलाओं की? 20वीं शताब्दी के आते-आते इस अत्याचार का खात्मा होने लगा और इसकी जगह सामान्य मटेरियल के अंडर गारमेंट्स ने ले ली। अब भी कॉर्सेट फैशन का हिस्सा हैं और अब वे भले ही उतने कठोर न हों, मकसद वही है शरीर को शेप में रखना। अब वे शेपवेयर और नाइटवेयर के रूप में बाजार में मिल रहे हैं।

एकजुट क्यों नहीं हो पा रहा विपक्ष

विपक्ष की एकता के बजाय बिखराव की कहानी अत्यधिक अतिरंजित है और एक प्रच्छन्न और राजनीति से प्रेरित उप-पाठ का हिस्सा है, जिसके मुताबिक नरेंद्र मोदी सरकार की अपनी कमजोरियां हो सकती हैं, लेकिन विपक्ष शासन करने में सक्षम नहीं है, या उस पर राष्ट्रीय सुरक्षा और अर्थव्यवस्था जैसे गंभीर मामलों में भरोसा नहीं किया जा सकता है। इसका विरोध करने के बजाय विपक्ष खुद ही इसे हवा दे रहा है। तृणमूल बनाम कांग्रेस, तृणमूल बनाम आम आदमी पार्टी, कांग्रेस बनाम राजद, प्रियंका गांधी बनाम अखिलेश यादव, ये ऐसे टकराव हैं, जिनकी झलक हाल के उपचुनाव में दिखी थी और अब इनका खुला प्रदर्शन पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर एवं उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में देखा जा सकता है, जहां कुछ महीनों के बाद चुनाव होने हैं। संसद के शीतकालीन सत्र में भी विपक्ष के बीच विभाजन इतना स्पष्ट नजर आ रहा है कि समान विचारधारा वाले गैर-भाजपा-राजग दलों की एक भी बैठक नहीं हो सकी है, जो कृषि कानूनों पर मोदी सरकार के बदलते रुख को उजागर करती। जबकि एकजुट विपक्ष प्रभावी रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर एक कानून की मांग कर सकता है और सीवीसी और सीबीआई के निदेशकों के कार्यकाल का विस्तार करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (संशोधन) विधेयक और दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना (संशोधन) विधेयक को चुनौती दे सकता था। लोकसभा के चुनाव मई, 2024 में होने हैं। इसलिए विपक्ष तात्कालिक लक्ष्य से निर्देशित हो रहा है, जिसे अवसरवाद, दूसरों से खुद को श्रेष्ठ साबित करने की कोशिश और गोवा जैसे छोटे राज्य में सफलता की तलाश के रूप में देखा जा रहा है, जहां चालीस सदस्यीय राज्य विधानसभा में भाजपा के खिलाफ वर्चस्व हासिल करने के लिए तृणमूल, आप और कांग्रेस आपस में संघर्ष कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल में जीत हासिल करने वाली ममता बनर्जी त्रिपुरा से लेकर गोवा और हरियाणा तक जनाधार बढ़ाने की कोशिश कर रही हैं। इसके लिए तृणमूल सुप्रीमो इतनी बेचैन हैं कि वह कांग्रेस और आप जैसी गैर-भाजपा पार्टियों को तीसरे और चौथे नंबर पर खिसका कर दूसरे नंबर की पार्टी बनने को भी तैयार हैं, जैसा कि त्रिपुरा के निकाय चुनाव में हुआ। ममता का यह विचित्र रवैया देश की सबसे पुरानी पार्टी के लिए परेशानी का सबब बन सकता है,

कैल्शियम के अलावा हड्डियों के लिए जरूरी हैं यह तीन पोषक तत्व, क्या आप करते हैं इनका सेवन?

शरीर की संरचना को बेहतर बनाए रखने के लिए हड्डियों का स्वस्थ होना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। मजबूत हड्डियां न केवल आपको सही मुद्रा में खड़े होने में मदद करती हैं, बल्कि नाजुक अंगों को किसी भी तरह की चोट से बचाने में भी सहायक होती हैं। इसके अलावा उम्र बढ़ने के साथ चोट और ऑस्टियोपोरोसिस के जोखिम को कम करने के लिए कम उम्र से ही हड्डियों को स्वस्थ बनाए रखने के उपाय करते रहने चाहिए। आमतौर पर हड्डियों को बेहतर रखने के लिए कैल्शियम को सबसे आवश्यक माना जाता है, पर क्या सिर्फ कैल्शियम से ही हड्डियों का पूरा ख्याल रखा जा सकता है? विशेषज्ञों का जवाब है- नहीं। हमें बचपन से ही हड्डियों को मजबूत करने के लिए कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थ जैसे डेयरी और कैल्शियम सप्लीमेंट दिए जाते हैं। पर सच तो यह है कि स्वस्थ हड्डियों के लिए कैल्शियम ही एकमात्र आवश्यक खनिज नहीं है। हड्डियों को स्वस्थ्य बनाए रखने के लिए कई अन्य पोषक तत्व समान रूप से आवश्यक हैं। ये सभी खनिज मिलकर हड्डियों

के घनत्व को बढ़ाते हैं और उम्र बढ़ने पर भी उन्हें स्वस्थ रखते हैं। आइए ऐसे ही आवश्यक खनिजों के बारे में जानते हैं।

विटामिन के को आहार में करें शामिल

हृदय रोग, मधुमेह और कैंसर से बचाव के लिए तो आपने विटामिन के सेवन के बारे में सुना होगा, पर अध्ययनों से पता चलता है कि हड्डियों को भी स्वस्थ बनाए रखने के लिए विटामिन के आवश्यक होता है। विटामिन के एक प्रोटीन को सक्रिय करने के लिए जिम्मेदार है जो रक्त के थक्के और कैल्शियम के मेटाबॉलिज्म में आवश्यक भूमिका निभाता है। विटामिन के की प्राप्ति के लिए ब्रोकली, पालक, पत्ता गोभी का सेवन कर सकते हैं।

प्रोटीन का सेवन आवश्यक

माना जाता है कि प्रोटीन कोशिकाओं की वृद्धि और मांसपेशियों को लिए महत्वपूर्ण होता है। प्रोटीन का एक अन्य महत्वपूर्ण कार्य हड्डियों के द्रव्यमान को बनाए रखना और उम्र बढ़ने के साथ हड्डी और मांसपेशियों को संरक्षित करना भी है। अध्ययनों से पता चलता है कि प्रोटीन वाले आहार का सेवन करने से हड्डियों के घनत्व को बढ़ाया जा सकता है। प्रोटीन का पर्याप्त सेवन फ्रैक्चर और हड्डियों के नुकसान के जोखिम को भी कम कर सकता है। प्रोटीन के स्रोतों में मसूर, सेम, मांस, मुर्गी और डेयरी उत्पाद शामिल हैं।

विटामिन डी है बहुत आवश्यक

हड्डियों के घनत्व को बढ़ाने और उन्हें स्वस्थ बनाए रखने के लिए विटामिन डी आवश्यक है। विटामिन डी कैल्शियम के अवशोषण और रक्त में पोषक तत्वों की पर्याप्त मात्रा को बनाए रखने में मदद करता है। जब आपके रक्त में कैल्शियम का स्तर कम हो जाता है, तो यह पोषक तत्व आपके द्वारा खाए जाने वाले भोजन या हड्डियों से खींचकर इसे अवशोषित करना शुरू कर देता है। विटामिन डी के लिए कई तरह की मछलियों, भिंडी, पालक, सोयाबीन का सेवन किया जा सकता है।

दिनभर कंप्यूटर पर काम करना कहीं बन न जाए ट्रिगर फिंगर्स का कारण

किसी दिन अचानक सुबह उठने पर आपको अपना अंगूठा अकड़ा हुआ महसूस हो, उंगलियों में भी जकड़न सी हो या यूं ही काम करते करते अंगूठा तेज दर्द के साथ मुड़ जाए और फिर उसे सीधा करना आसान न हो, तो इसे हल्के में न लें। यह स्थिति ट्रिगर फिंगर्स की समस्या का संकेत हो सकती है। ट्रिगर थम्ब या ट्रिगर फिंगर्स वह स्थिति है जब अंगूठे या उंगलियों के टेंडन में किसी कारण से सूजन आ जाती है। टेंडन बारीक धागे जैसे होते हैं जो मांसपेशियों को हड्डी से जोड़े रखते हैं। ये लचीले होते हैं और मजबूत फाइबर कोलेजन ऊतकों से बने होते हैं।

टेंडन में किसी प्रकार से क्षति पहुंचने से मसल्स तक भी इसका असर पहुंचता है और उस जगह पर दर्द और सूजन आ जाती हैं।

ट्रिगर थम्ब की स्थिति में अंगूठा जोड़ के पास से मुड़ जाता है और क्लिक की आवाज़ के साथ वापस सीधा हो पाता है। साथ ही तेज दर्द भी महसूस होता है। मुड़े हुए अंगूठे को सीधा करना भी आसान नहीं होता। आइए आगे की स्लाइडों में इस समस्या के बारे में विस्तार से जानते हैं।

ऐसे लोगों को होता है ज्यादा खतरा

यह समस्या वैसे तो किसी को भी हो सकती है लेकिन डायबटीज, आर्थराइटिस जैसी समस्याओं से ग्रसित लोगों या ऐसे लोग जिनके हाथों पर निरन्तर किसी वजह से दबाव पड़ता हो, वे इसके शिकार ज्यादा होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या ज्यादा होती है। इस समस्या को शुरुआत में ही सामान्य इलाज से नियंत्रित किया जा सकता है। इसलिए जरूरी है कि लक्षण दिखाई देते ही तुरन्त डॉक्टर से सलाह ली जाए।

अकेले भारत मे हर साल इस समस्या से लाखों लोग पीड़ित होते हैं। अन्य चीजों के अलावा मोबाइल, लैपटॉप, वीडियो गेम जैसी चीजों का लगातार उपयोग भी इसका कारण बन सकता है। गम्भीर स्थितियों में अंगूठा या उंगली मुड़ी हुई स्थिति में ही लॉक हो सकते हैं।

सुबह रहता है ज्यादा असर

ट्रिगर फिंगर किसी भी उंगली या अंगूठे पर असर कर सकती है। कई बार एक से ज्यादा उंगलियां भी प्रभावित हो सकती हैं और दोनों हाथों पर भी असर हो सकता है। दर्द और अकड़न सुबह -सुबह ज्यादा होती है। कई बार उंगली या अंगूठा मुड़ने के बाद सीधा होने में समय भी लेता है। धीरे धीरे जैसे जैसे आप फिजिकली एक्टिव होते हैं, दर्द और अकड़न कम होने लगता है। अंगूठे या उंगली के नीचे के हिस्से में उभार भी महसूस हो सकता है।

ट्रिगर फिंगर से कैसे करें बचाव

- सबसे पहले जिस काम की वजह से आपके अंगूठे या उंगली पर प्रेशर पड़ रहा है उसे कुछ समय के लिए बन्द कर दीजिए। उस उंगली या अंगूठे को कुछ समय आराम दीजिए। अगर आपको काम लेना ही पड़े तो पैडेड ग्लव्ज का प्रयोग करें।
- उंगली या अंगूठे को कवर करने वाले या सहारा देने वाले स्पलिंट्स का प्रयोग किया जा सकता है, ताकि उंगली/अंगूठे को बिना हिलाए-डुलाए रखा जा सके।
- डॉक्टर आपको कुछ स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज बता सकते हैं। प्रतिदिन मात्र 10-15 मिनिट की इस एक्सरसाइज को धीरे धीरे आधे घंटे तक बढ़ा लें। इसमें सॉफ्ट एक्सरसाइज़ बॉल को प्रेस करने, अंगूठे और उंगली को मिलाकर ओ बनाने, उंगलियों को मोड़कर गिनती करने जैसी एक्सरसाइज की जा सकती हैं।
- एक्सरसाइज के बाद हल्के हाथों से उंगली या अंगूठे की मालिश जरूर करें। इससे रक्त संचार सही रहेगा, लचीलापन बना रहेगा और मूवमेंट सही बना रहेगा।
- अपने शुगर लेवल को कंट्रोल रखें, वजन को संतुलित रखें व यूरिक एसिड का स्तर भी चेक करवाएं। कई बार इसकी वजह से भी दिक्कत हो सकती है।
- सूजन कम करने के लिए डॉक्टर की सलाह से ठंडा या गर्म सेकाई करें।

कहीं आप भी तो नहीं खाते हैं बहुत ज्यादा बादाम

शरीर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए सभी लोगों को आहार में पौष्टिक चीजों की मात्रा को बढ़ाने की सलाह दी जाती है। इसके लिए ड्राई फ्रूट्स और नट्स का सेवन करना बेहतर विकल्प हो सकता है। हम सभी को बचपन से ही कई तरह के स्वास्थ्य लाभ के लिए सुबह बादाम खाने को दिए जाते थे। अध्ययनों से पता चलता है कि बादाम का नियमित सेवन दिमाग को तेज बनाए रखने के साथ त्वचा, मांसपेशियों और संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हो सकता है। पर क्या स्वास्थ्य लाभ को देखते हुए आप बहुत अधिक मात्रा में तो बादाम का सेवन नहीं कर रहे हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक नियत मात्रा में किसी चीज का सेवन जितना लाभदायक माना जाता है, उसका अधिक सेवन उतना ही हानिकारक भी हो सकता है। बहुत अधिक मात्रा में बादाम खाना भी नुकसानदायक हो सकता है। आइए आगे की स्लाइडों में अधिक मात्रा में बादाम खाने से होने वाले साइड-इफेक्ट्स के बारे में जानते हैं।

कब्ज और पेट की दिक्कत

अध्ययनों से पता चलता है कि बादाम, फाइबर से भरपूर होते हैं। बादाम की लगभग 23 गुठलियों से 3.5 ग्राम फाइबर प्राप्त किया जा सकता है, हालांकि इसका अधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है। डॉक्टरों के अनुसार, बहुत अधिक मात्रा में फाइबर, कब्ज और पेट की अन्य समस्याओं जैसे दस्त, पेट में ऐंठन, गैस आदि का कारण बन सकता है।

वजन बढ़ने की समस्या

बादाम की 23 गुठलियों में लगभग 164 कैलोरी होती है, यही कारण है कि ज्यादा मात्रा में इसके सेवन से तेजी से वजन बढ़ने का खतरा हो सकता है। वजन बढ़ने का जोखिम तब और हो सकता है यदि आप नियमित शारीरिक व्यायाम नहीं करते हैं। बादाम के अधिक सेवन करने के साथ यदि आपकी जीवनशैली ठीक नहीं है तो वजन बढ़ने का खतरा अधिक होता है।

किडनी की पथरी का बन सकता है कारण

बहुत अधिक मात्रा में बादाम के सेवन से किडनी में पथरी बनने की समस्या हो सकती है। अध्ययनों से पता चलता है कि बादाम में ऑक्सालेट होते हैं, जो आंतों में घुलनशील यौगिक होते हैं। ऑक्सालेट की अधिकता किडनी में पथरी के निर्माण और गंभीर स्थिति में किडनी की खराबी का कारण बन भी सकती है। लगभग 100 ग्राम बादाम से 469 मिलीग्राम ऑक्सालेट पाया जाता है।

कितने बादाम का सेवन करना है ठीक?

बादाम के एक औंस में करीब 23 गुठली होती है। साइड इफेक्ट से बचने के लिए आप एक दिन में कितने बादाम खा सकते हैं, इसका कोई वैज्ञानिक डेटा नहीं है। हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं कि एक दिन में 10 से 15 बादाम से अधिक का सेवन नहीं करना चाहिए। इसके अलावा बादाम को रात भर भिगोकर खाने को सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

कुछ ही घंटों में कम कर सकते हैं शुगर का लेवल

डायबिटीज, मौजूदा समय की सबसे बड़ी स्वास्थ्य समस्याओं में से एक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ डायबिटीज को साइलेंट किलर बीमारी मानते हैं, इसका मतलब यह है कि मधुमेह धीरे-धीरे शरीर को कमजोर करती जाती है, साथ ही यह कई अन्य गंभीर बीमारियों का भी कारण बन सकती है। डायबिटीज मुख्यरूप से दो प्रकार (टाइप-1 और टाइप-2) की होती है, इसमें भी टाइप-2 डायबिटीज को सबसे गंभीर माना जाता है। भारत में पिछले दो दशकों में डायबिटीज रोगियों की संख्या में भारी उछाल देखने को मिला है।आंकड़ों के मुताबिक देश के करीब 8 करोड़ लोग इस गंभीर बीमारी के साथ जी रहे हैं। टाइप -2 मधुमेह एक ऐसी स्थिति है जिसमें अग्न्याशय पर्याप्त इंसुलिन का उत्पादन नहीं कर पाता है या शरीर इंसुलिन प्रतिरोधी हो जाता है। ऐसी स्थिति में ब्लड शुगर का स्तर तेजी से बढ़ने लगता है जिससे कई अंगों को गंभीर का खतरा हो सकता है। तो क्या इस समस्या से बचाव किया जा सकता है? जी हां, वैज्ञानिकों ने एक ऐसे उपाय के बारे में बताया है जिससे महज तीन घंटे में ब्लड शुगर के स्तर को कम किया जा सकता है। आइए जानते हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने के लिए कम या बिना चीनी वाली चीजो के सेवन की सलाह दी जाती है। इसके अलावा कुछ फलों के सेवन को भी इसके लिए फायदेमंद माना जाता है। एक नए अध्ययन के अनुसार अनार के जूस का सेवन करके कुछ ही मिनटों में रक्त शर्करा को कम किया जा सकता है। टाइप -2 डायबिटीज के रोगियों के लिए यह काफी लाभदायक हो सकता है।

अनार के जूस का सेवन है फायदेमंद

जर्नल एल्सेवियर में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, अनार के जूस का सेवन करने से रक्त शर्करा को कम करने के अल्पकालिक प्रभावों के बारे में पता चलता है। विशेषज्ञों ने पाया कि अनार के जूस का सेवन ब्लड शुगर के स्तर को कम करने में लाभदायक हो सकता है। अध्ययन में जूस के प्रभाव जानने की कोशिश की गई। इसके लिए 12 घंटे के उपवास के बाद डायबिटीज से पीड़ित 85 रोगियों के ब्लड सैंपल लिए गए। इसके बाद 1.5 मिली अनार के जूस के सेवन के सेवन के एक और तीन घंटे बाद फिर सैंपल जांच किए गए।

अध्ययन में क्या पता चला?

अध्ययन के निष्कर्ष में शोधकर्ताओं ने पाया कि तीन घंटे के बाद लिए गए सैंपल में रक्त शर्करा के स्तर में कमी के बारे में पता चला। पुरुषों और महिलाओं दोनों में इसके अच्छे परिणाम देखने को मिले वहीं उम्रदराज डायबिटिक रोगियों में इसे अपेक्षाकृत कम असरदार पाया गया। इस आधार पर वैज्ञानिकों का कहना है कि अनार के जूस का सेवन करना टाइप-2 डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ब्लड शुगर को रखें नियंत्रित

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित बनाए रखने के लिए डायबिटीज रोगियों को लो-ग्लाइसेमिक इंडेक्स (जीआई) वाले खाद्य पदार्थों का सेवन अधिक करना चाहिए। ऐसे खाद्य पदार्थ स्वाभाविक रूप से रक्त शर्करा के स्तर को बढने से रोकने में सहायक होते हैं। साबुत अनाज, जई, सब्जियां और ओट्स, और कुछ फलों को ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है, ऐसे में इनका सेवन करना सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

अमेरिकी लेटलतीफी:वीसा में देरी; नए साल पर घर न लौट पाएंगे हजारों भारतीय

वाशिंगटन। अमेरिका में वर्किंग वीसा पर आकर रह रहे हजारों भारतीय परिवार नए साल पर घर नहीं जा पाएंगे। क्योंकि, उन्हें लगता है कि एक बार भारत चले गए तो वापसी का वीसा लगने में काफी समय लग सकता है। इसका कारण कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन की वजह से बढ़ी दहशत नहीं है, बल्कि दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास अब भी सीमित स्टाफ के साथ काम करना है। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान अमेरिकी दूतावास ने सीमित स्टाफ के साथ काम जारी रखा था। उसके बाद लॉकडाउन तो हटा, लेकिन काम पूरी क्षमता से शुरू नहीं हुआ। नियम के अनुसार, अमेरिका से जब कोई भारतीय घर लौटता है तो उसे यूएस कंसुलेट से वापसी का वीजा लेना होता है। उसके लिए पहले अपॉइंटमेंट लेना जरूरी है, जो अभी कई-कई दिनों बाद भी नहीं मिल पा रहा है। सिलिकॉन वैली में काम कर रहे राहुल फर्नांडीज ने बताया कि भारत में उनके पिता बीमार हैं लेकिन जा नहीं पा रहे। उन्हें सबसे बड़ा डर यह है कि वे भारत में लंबे समय तक फंसे रह सकते हैं, क्योंकि अभी यूएस कंसुलेट में अपॉइंटमेंट्स ही नहीं मिल रहे।

ओमिक्रॉन खतरे के बीच अमेरिका और ब्रिटेन आने वाले सभी यात्रियों को दिखानी होगी कोरोना की निगेटिव रिपोर्ट

वाशिंगटन। ओमिक्रॉन के बढ़ते केस के बीच अमेरिका और ब्रिटेन ने आने वाले सभी यात्रियों के लिए कोरोना निगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य कर दी है। अमेरिका में 20 से ज्यादा लोगों की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। जबकि ब्रिटेन में ओमिक्रॉन के 160 से ज्यादा मामले दर्ज किए गए हैं। ऐसे में ब्रिटेन ने यात्रियों के लिए नियमों को कड़ा किया है। ब्रिटेन आने वाले 12 साल से ऊपर के सभी लोगों को PCR या LFD टेस्ट रिपोर्ट दिखानी होगी। ओमिक्रॉन के बढ़ते मामलों के बीच फ्रांस ने अपने 1 करोड़ नागरिकों को बूस्टर डोज लगाया है। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री ओलिवियर वेरन ने सोशल मीडिया पर इस बात की जानकारी दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक फ्रांस में अब तक 5.20 करोड़ लोगों को वैक्सीन की एक डोज लग चुकी है। फ्रांस ने फाइजर/बायोएनटेक, मॉडर्ना, जॉनसन एंड जॉनसन और एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन को मंजूरी दी है। शुक्रवार को फ्रांस ने 51,624 नए कोरोना केस रजिस्टर कराए। यहां पर एक हफ्ते में कोरोना मामलों में करीब 60त्न इजाफा हुआ है, जिसके चलते सरकार की चिंता बढ़ गई है। सोमवार को स्वास्थ्य मंत्री बैठक करने जा रहे हैं। इसमें वे कोरोना संक्रमण रोकने के लिए अतिरिक्त उपायों पर चर्चा करेंगे। नए कोरोना वैरिएंट ओमिक्रॉन की चपेट में आए 38 देशों में इससे कोई मौत नहीं नया कोरोना वैरिएंट ओमिक्रॉन अब तक दुनिया के 38 देशों में पहुंच चुका है, लेकिन राहत की बात यह है कि वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन के मुताबिक, दो सप्ताह में अब तक किसी भी देश में इस वैरिएंट से संक्रमित व्यक्ति की मौत की खबर नहीं आई है।

यूक्रेन के लिए खतरे की घंटी!

175,000 सैनिकों के साथ हमले की तैयारी कर रहा रूस, रिपोर्ट का दावा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मॉस्को

रूस अगले साल 175,000 सैनिकों के साथ बहु-मोर्चे पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। वॉशिंगटन पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी थी। इससे पहले यूक्रेन ने चेताया था कि अगले महीने बड़े पैमाने पर हमले की योजना बनाई जा सकती है। अमेरिकी प्रशासन के एक अधिकारी ने पहचान उजागर न करने की शर्त पर बताया कि मॉस्को की योजनाओं में आर्मर, तोपखाने और अन्य उपकरणों के साथ अनुमानित 175,000 सैनिकों के साथ 100 बटालियन समूहों के व्यापक आंदोलन शामिल हैं। पेंटागन ने एएफपी को बताया कि वह खुफिया मामले पर टिप्पणी नहीं करेगा। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय का कहना है कि वह उन सबूतों को लेकर गहरी चिंता में है जो संकेत देते हैं कि %रूस ने यूक्रेन के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई की योजना बनाई है%। पेंटागन के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल टोनी सेमेलरोथ ने कहा कि हम क्षेत्र में तनाव

कम करने और पूर्वी यूक्रेन में संघर्ष का राजनयिक समाधान का समर्थन कर रहे हैं।

बाइडन बोले- रूसी हमले को रोकने की कर रहे तैयारी

एक अवर्गीकृत अमेरिकी दस्तावेज के हवाले से रिपोर्ट में कहा गया है कि रूसी सेना वर्तमान में चार मौर्चों पर बड़े पैमाने पर काम कर रही है। नए टैंकों और तोपखानों के अलावा 50 युद्धक्षेत्र सामरिक समूहों को तैनात किया गया है। पोस्ट ने अपने सूत्रों का हवाला देते हुए कहा कि सीमा पर आने-जाने का मतलब कोई सामरिक कदम उठाना और अनिश्चितता पैदा करना है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने कहा है कि वह यूक्रेन पर हमला करने की किसी भी रूसी योजना को रोकने के लिए नई नीतियां तैयार कर रहे हैं।

जनवरी के आखिर में बढ़ सकती है रूसी सेना

वाशिंगटन और कीव दोनों ने इस बात की जानकारी दी है कि रूस ने यूक्रेन सीमा पर सेना तैनात कर दी है। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ओलेक्सी रेज़निकोव ने अनुमान लगाया कि सीमा के पास रूस के पास लगभग 100,000 सैनिक हैं। वहीं रूस किसी भी सैन्य तैनाती से इनकार कर रहा है। रेज़निकोव का कहना है कि संभवत: जनवरी के आखिरी तक सैनिकों और उपकरणों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

प्रकाश से तेज कुछ नहीं! सिर्फ 1 प्रतिशत गति हासिल करना भी कल्पना से परे, लेकिन वैज्ञानिकों को हैं उम्मीदें

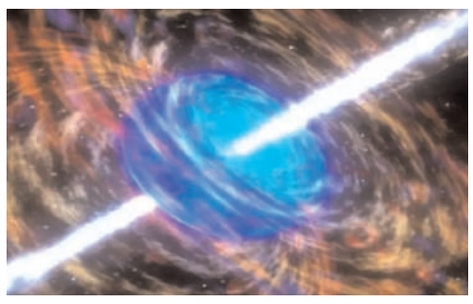

वॉशिंगटन। प्रकाश की गति सबसे तेज होती है, बल्कि यह मौजूदा सभी चीजों में सबसे तेज है। ब्रह्मांड का नियम है कि कोई भी चीज प्रकाश से तेज गति से नहीं चल सकती है। प्रकाश 300,000 किमी प्रति सेकंड की गति से सफर करता है और पृथ्वी से चंद्रमा तक सिर्फ एक सेकंड में जा सकता है। किसी भी चीज का सिर्फ 1 प्रतिशत बेहद छोटा हिस्सा होता है लेकिन प्रकाश का 1 प्रतिशत भी काफी तेज है यानी करीब 1,12,65,408 किमी प्रति घंटा। यह गति प्रकाश की तुलना में भले ही कम हो लेकिन इंसान के लिए इसे हासिल करना असंभव सी लगने वाली बात है। प्रकाश का 1 प्रतिशत किसी कमर्शियल जेट से 10,000 गुना ज्यादा तेज है। इंसानों ने भी कुछ बेहद तेज चीजों का अविष्कार किया है। जैसे बंदूक से निकली गोली 4184 किमी प्रति घंटे से भी ज्यादा की गति से निकलती है। वहीं सबसे तेज विमान नासा का ङ्क3 जेट प्लेन है जिसकी अधिकतम गति 11265 किमी प्रति घंटा है। गति की ये उपलब्धियां सुनने में भले ही हैरान कर देने वाली लगें लेकिन प्रकाश की तुलना में यह सिर्फ 0.001 प्रतिशत है।

इंसानों की हासिल सबसे तेज रफ्तार

इंसानों की बनाई सबसे तेज चीज स्पेसक्राफ्ट्स हैं। रॉकेट का इस्तेमाल करके ये पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध 40233 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष में जा सकते हैं। नासा का पार्कर सोलर प्रोब सबसे तेज गति से उड़ने वाला स्पेसक्राफ्ट है। 2018 में लॉन्चिंग के बाद इसने सूर्य के वातावरण में प्रवेश किया और सूर्य के गुरुत्वाकर्षण बल का इस्तेमाल करके 531083 किमी प्रति घंटे की गति हासिल की। यह वाकई बेहद ज्यादा तेज से लेकिन प्रकाश की गति का सिर्फ 0.05 प्रतिशत ही है। प्रकाश की गति के 1 प्रतिशत तक पहुंचना संभव है लेकिन इसके लिए बहुत अधिक मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होगी। अब सवाल यह कि क्या इंसान इसे हासिल कर सकता है? जवाब है- हां, लेकिन इंजीनियरों को अंतरिक्ष में गति को बढ़ाने के लिए नए तरीके खोजने होंगे।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में 2021 की टॉप 6 सफलताएं:कोविड-19, मलेरिया की वैक्सीन मिलीं, जीन एडिटिंग तकनीक भी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

साल 2021 स्वास्थ्य और चिकित्सा को लेकर बेहद उत्साहजनक रहा है। दुनिया में चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में हाल के इतिहास में इतनी उपलब्धियां पहले कभी हासिल नहीं हुईं। इस साल जहां सबसे ज्यादा रिसर्च और दवाओं के बनाने के लिए अप्रूवल मिले, वहीं कोविड-19 महामारी से लेकर मलेरिया जैसी घातक बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन का निर्माण भी हुआ। नए टीकों से लेकर अल्ट्रा-शार्प सीटी स्कैनर बने।

इनोवेशन ऑफ द ईयर

कोविड-19 के खिलाफ जंग में देश में रिकॉर्ड समय में बनी भारत बायोटेक की कोवैक्सीन और सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया की कोविशील्ड काफी कारगर रही। फाइजर-बायोएनटेक और मॉडर्ना की कोविड-19 वैक्सीन की जोड़ी भी दुनियाभर में कोरोनावायरस को रोकने में काफी कारगर रही। सभी को डब्ल्यूएचओ ने मान्यता भी दी।.

इबोला का प्रहार रोकने गेमचेंजर एंटीबॉडी शॉट

अमेरिकी कंपनी रीजेनरॉन फार्मास्यूटिकल्स द्वारा इबोला से लड़ने के लिए बनाई गई 'इनमाजेब' को भी इसी साल मंजूरी मिली। यह मोनोक्लोनल एंटीबॉडी उपचार में बेहद कारगर साबित हुआ है। इबोला से शरीर में नसों से खून बाहर आना शुरू हो जाता है, जिससे अंदरूनी ब्लीडिंग शुरू हो जाती है।

नमक में जहर मिलाकर बेटे को खिलाया, बेरहमी से की हत्या, जेल में कैदियों ने लिया सौतेली मां से बदला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

छह साल के बच्चे की उसकी सौतेली मां ने हत्या कर दी लेकिन हत्या की यह खबर सुनने में जितनी सपाट है उतनी है नहीं। आर्थर लबिंजो-ह्यूजेस की सौतेली मां जब जेल पहुंची तो बाकी कैदियों ने उसे गालियां दी और %नमक% से हमला किया। सौतेली मां को छह साल के मासूम की हत्या से पहले उसे बुरी तरह पीटने के लिए दोषी पाया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उसने हत्या के लिए नमक में जहर का इस्तेमाल किया था। एम्मा टस्टिन (32) ने मासूम को पहले टॉर्चर किया, फिर उसे जहर दे दिया और आखिरी दम तक दीवार की ओर मुंह करके खड़े रहने की सजा दी। शुक्रवार को उसे दीवार पर बच्चे का सिर बार-बार पटककर मारने के लिए हत्या का दोषी ठहराया गया। वेल्स ऑनलाइन की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट के फैसले के बाद टस्टिन की जेल में साथी कैदियों ने उसे गालियां दी और उस पर नमक फेंका। हालांकि सौतेली मां के खिलाफ लोगों का गुस्सा नया नहीं है।

सौतेली मां को सता रहा आत्महत्या का डर

अप्रैल 2021 में सुनवाई के दौरान टस्टिन के वकील ने कहा था कि उनकी मुवक्किल को %धमकियां% मिल रही हैं। कहा जाता है कि टस्टिन के साथ आत्महत्या का जोखिम है। जेलकर्मियों के उसके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित होने के बाद उसे अस्पताल पहुंचा दिया गया है। टस्टिन के वकीलों ने जेल के गवर्नर को पत्र लिखकर उसके स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर उचित इंतजाम का आग्रह किया है।

ब्रेन डैमेज के चलते हुई दर्दनाक मौत

टस्टिन आर्थर के पिता थॉमस ह्यूजेल के साथ रिलेशनशिप में थी। ह्यूजेल अपने बेटे के खिलाफ हिंसा को सक्रिय रूप से बढ़ावा देने के लिए हत्या का दोषी पाया गया है। टस्टिन ने बच्चे के शरीर पर आईं चोटों के लिए आर्थर को ही दोषी ठहराने की कोशिश की और 999 पर पुलिस से झूठ बोला था। टस्टिन ने आर्थर की हत्या पिछले साल 16 जून को की थी।

लाभार्थी नादिया जिले में कोविड-19 वैक्सीन की खुराक प्राप्त करने की प्रतीक्षा करते हैं।

केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, यूपी बीजेपी अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ वाराणसी में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लेते हुए।

सबसे पहले मानव ने मुर्गी के बजाय पाला था यह खूंखार पक्षी, ले सकता है इंसान की जान

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वॉशिंगटन

पाषाण युग करीब 26 लाख साल पहले शुरू हुआ था। इस काल के दौरान मानव ने पत्थर के औजार का इस्तेमाल करना शुरू किया था। यह एक लंबी अवधि थी और 3330 ईसा पूर्व तक चली। इसके बाद कांस्य युग शुरू हुआ और धीरे-धीरे आधुनिक सभ्यता पटल पर आ गई। हालांकि प्राचीन मानव के बारे में हमारे पास पर्याप्त जानकारी उपलब्ध है लेकिन अभी भी उनके दैनिक जीवन की बारीकियों के बारे में सटीक अनुमान लगाना मुश्किल है। लेकिन एक नई रिसर्च ने इस मुश्किल को आसान कर दिया है। शोधकर्ताओं ने पाया कि न्यू गिनी में मानव 18000 साल पहले तक कैसवैरी चूजों को पाल रहे थे और वयस्क होने के बाद उन्हें अच्छी तरह पाला जा रहा था। इससे पता चलता है कि मुर्गियां इंसानों का सबसे पुराना पालतू पक्षी नहीं है। कैसवैरी एक विशालकाय पक्षी होता है जो उड़ नहीं सकता। ये पक्षी मुख्यत: ऑस्ट्रेलिया, अरु द्वीप और न्यू गिनी में पाए जाते हैं। कैसवैरी पक्षी की तीन प्रजातियां दुनिया के 10 सबसे बड़े पक्षियों में शामिल हैं।

ले सकता है किसी इंसान की जान

बीबीसी साइंस फोकस मैग्जीन में छपी रिसर्च में शोधकर्ता क्रिस्टीना डगलस ने बताया कि कैसवैरी कितना खतरनाक हो सकता है और प्राचीन मानव ने इसे किस तरह पाला होगा। उन्होंने बताया कि यह एक विशाल पक्षी है जो उड़ नहीं सकता लेकिन किसी इंसान की जान ले सकता है। इसकी सबसे छोटी प्रजाति का वजन 20 किग्रा होता है। आज भी इनके चूजों का व्यापार व्यापक स्तर पर किया जाता है। खास बात यह कि अगर चूजा सबसे पहले किसी इंसान को देख ले तो वह उसे अपनी मां समझकर उसका पीछा करता है।

अंडों के छिलकों से हुआ खुलासा

शोधकर्ताओं ने 18,000 से 6,000 साल पहले के अंडों के छिलकों का अध्ययन किया ताकि यह पता लगाया जा सके कि उनके अंदर का भ्रूण कितने साल का था जब उन्हें तोड़ा गया था। डगलस ने कहा कि जीवाश्मों से पता चलता है कि इंसानों ने उन्हें जन्म से समय इकट्ठा किया और उनका पालन-पोषण किया। संभवत: पक्षियों के मांस या पंखों का इस्तेमाल करने के लिए उन्हें पाला जाता था। रिसर्चर ने कहा कि इंसानों का यह व्यवहार मुर्गियों को पालने से हजारों साल पहले का है।

न्यूज ब्रीफ

फाइनल मैच में पीवी सिंधु को मिली हार, रजत पदक से करना पड़ेगा संतोष

बाली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू को रविवार को यहां खिताबी मुकाबले में दक्षिण कोरिया की आन सियोंग से सीधे गेम में हारने के कारण बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। मौजूदा विश्व चैंपियन सिंधू के पास विश्व में छठे नंबर की कोरियाई खिलाड़ी के खेल का कोई जवाब नहीं था और वह आसानी से 16-21, 12-21 से हार गई। सियोंग ने नेट पर बेहतरीन खेल दिखाया और बेसलाइन पर भी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 39 मिनट तक चले मैच में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय खिलाड़ी को किसी भी समय वापसी का मौका नहीं दिया। सियोंग ने इससे पहले इंडोनेशिया मास्टर्स और इंडोनेशिया ओपन के खिताब जीते थे। उन्होंने अक्टूबर में डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी सिंधू को हराया था। यह तीसरा अवसर था जबकि सिंधू टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची थी। वह 2018 में खिताब जीतकर यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय बनी थी।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप - 7 घंटे 45 मिनट मे मेगनस कार्लसन नें नेपोमिन्सी की दी मात

दुबई। फीडे विश्व शतरंज चैंपियनशिप में लगातार 5 राउंड के मुक़ाबले के बाद 6 राउंड अब तक का सबसे बड़ा मैराथन मुक़ाबला साबित हुआ यह मैच 7 घंटे और 45 मिनट तक चला । विश्व शतरंज चैंपियनशिप के इतिहास मे इससे पहले कारपोव और कोर्चनोई के बीच 1978 मे 124 चालों का मुक़ाबला खेला गया था जो बराबरी पर खत्म हुआ था पर कार्लसन और नेपोमिन्सी के बीच खेला गया मुक़ाबला 136 चालों तक खेला गया ,जिसे विश्व चैम्पियन कार्लसन नें शानदार अंदाज मे जीता । सफ़ेद मोहरो से खेल रहे कार्लसन नें केटलन ओपनिंग मे थोड़े बदलाव करते हुए नेपो पर दबाव बनाने की कोशिश की जो सही साबित नहीं हुई और खेल की 35 चालों के आसपास तो उनकी बाजी मुश्किल मे नजर आने लगी पर नेपोमिन्सी की कुछ गलत चुनाव से कार्लसन की खेल मे वापसी हो गयी और जहां कार्लसन अपने एक घोड़े के साथ एक हाथी और 2 प्यादो के साथ नेपोमिन्सी के अकेले वजीर के खिलाफ एक ऐसी स्थिति बनाने मे कामयाब रहे जहां 136 चालों मे जाकर आखिर वह जीतने मे कामयाब रहे । इस जीत से 14 राउंड की विश्व चैंपियनशिप मे 6 राउंड के बाद कार्लसन 3.5-2.5 से आगे निकल गए है और अगर अब नजरे नेपोमिन्सी की वापसी पर रहेगी ।

पैट कमिंस ने किया ऑस्ट्रेलियाई टीम का खुलासा, स्टार्क को मिली जगह

मैलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस ने गाबा में बुधवार से शुरू होने वाले पहले एशेज टेस्ट के लिए प्लेइंग इलेवन का खुलासा किया। पांचवें नंबर पर ट्रेविस हेड बल्लेबाजी करेंगे जबकि गेंदबाजी आक्रमण में मिशेल स्टार्क को भी जगह मिली है। दूसरी ओर, इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने खेल से तीन दिन पहले प्लेइंग इलेवन का खुलासा नहीं करने का विकल्प चुना। रूट के हवाले से कहा गया कि हमारे पास सभी विकल्प हैं लेकिन हम अभी एक टीम का नाम नहीं लेने जा रहे हैं। हमें पूर्वानुमान देखना होगा और अगले कुछ दिनों में पिच कैसे बदलती है। यह स्पिन खेलने के लिए एक शानदार जगह है। यह कुछ ऐसा है जिसे हम तौलेंगे और विचार करेंगे, लेकिन हम अभी उस कॉल की स्थिति में नहीं हैं। इससे पहले टिम पेन ने सेक्सटिंग स्कैंडल के बाद ऑस्ट्रेलिया के कप्तान के रूप में पद छोड़ दिया था और कमिंस को नए नेता के रूप में नियुक्त किया गया था। स्टीव स्मिथ उपकप्तान की कमान संभालेंगे।

अबुधाबी में रसेल की आंधी : टी-10 लीग के फाइनल में जड़े 7 छक्के और 9 चौके, 281 के स्ट्राइक रेट से बनाए 32 गेंद में 90 रन

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज अबुधाबी

अबुधाबी टी-10 लीग के फाइनल में आंद्रे रसेल ने धमाकेदार पारी खेल अपनी टीम डेक्कन ग्लैडिएटर्स को जीत दिलाई। शनिवार को खेले गए फाइनल मुकाबले में इस खिलाड़ी ने 32 गेंदों में 90 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 7 छक्के और 9 चौके निकले। उनका स्ट्राइक रेट 281.25 का था। उनकी इसी धुआंधार पारी के दम पर डेक्कन ग्लैडिएटर्स को शानदार जीत मिली और उन्होंने इस लीग पर कब्जा जमा लिया।

आखिरी 3 ओवर में 58 रन

रसेल और टॉम कैडमोर ने आखिरी 3 ओवर में 58 रन बनाए। 8वें ओवर में 21 रन बने। वहीं, वेस्टइंडीज के अनुभवी गेंदबाज रवि रामपॉल के 9वें ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने 23 रन जड़ दिए। आखिरी ओवर में गेंदबाजी करने आए ड्वेन ब्रावो ने 14 रन दिए।

160 रनों के जवाब में दिल्ली बुल्स ने बनाए 103 रन

डेक्कन ग्लैडिएटर्स के लिए रसेल के आलावा टॉम कैडमोर ने भी 28 गेंदों में 59 रनों की पारी खाली। कैडमोर ने अपनी पारी में 5 छक्के और 3 चौके लगाए। रसेल और कैडमोर की पारी के दम पर ही ग्लैडिएटर्स ने 10 ओवर में 160 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया। जवाब में दिल्ली बुल्स 10 ओवर 103 रन ही बना पाई। दिल्ली के लिए सबसे ज्यादा रन चंद्रपॉल हेमराज ने बनाए। उन्होंने 20 गेंदों में 42 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनके बल्ले से 5 छक्के और 2 चौके निकले। हेमराज का स्ट्राइक रेट 210 का था। हेमराज के आलावा दिल्ली के लिए कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। डेक्कन ग्लैडिएटर्स के लिए इंग्लैंड के तेज गेंदबाज टाइमल मिल्स ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 2 ओवर में सिर्फ 4 रन दिए और 2 विकेट अपने नाम किया।

टारगेट का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की खराब शुरुआत

8वीं बार अश्विन का शिकार हुए लाथम

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और न्यूजीलैंड के बीच मुंबई टेस्ट में तीसरे दिन का खेल जारी है। जहां टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड के सामने 540 रनों का टारगेट रखा है। भारत ने अपनी दूसरी पारी 276/7 पर घोषित की। लक्ष्य का पीछा करते हुए कीवी टीम का स्कोर 1 विकेट के नुकसान पर 13 रन है। मिचेल और विल यंग क्रीज पर है। मैच का लाइव स्कोर देखने के लिए यहां क्लिक करें

कीवी टीम की खराब शुरुआत

टारगेट का पीछा करते हुए हैं की शुरुआत खराब रही और कीवी कप्तान टॉम लाथम (6) रन बनाकर आर अश्विन की गेंद पर LBW आउट हो गए। लाथम रिव्यू लिया, लेकिन इसका फैसला टीम इंडिया के हक ही रहा।

फिर अर्धशतक से चूके गिल

दूसरी पारी में शुभमन गिल 75 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट रचिन रवींद्र के खाते में आया। पहली पारी में भी गिल 44 के स्कोर पर आउट होकर पवेलियन लौटे थे। तीसरे विकेट के लिए गिल और कप्तान कोहली ने 144 गेंदों पर 82 रन जोड़े। भारत का चौथा विकेट एजाज पटेल ने श्रेयस अय्यर (14) को आउट कर हासिल किया।

मिले जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके पुजारा

34वें ओवर की आखिरी गेंद पर चेतेश्वर पुजारा स्न्ड्ड आउट हुए। पुजारा ने ष्ठक्रस् लिया और रिप्ले में नजर आया की गेंद स्टंप्स की लाइन में जरूर थी, लेकिन विकेट से काफी ऊपर थी, जिसके चलते पुजारा नॉटआउट रहे। हालांकि वह मिले जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और 47 रन बनाकर एजाज की गेंद पर आउट हुए।

एजाज के लिए यादगार टेस्ट

इस टेस्ट की दोनों पारियों में भारत के कुल 17 विकेट गिरे, जिसमें एजाज पटेल के खाते में 14 विकेट आए हैं। पहली पारी में सभी 10 विकेट का रिकॉर्ड बनाने वाले एजाज के लिए ये मुकाबला कभी न भुलाने जैसा है। एजाज भारत में खेले एक टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले स्पिन गेंदबाज भी बन गए हैं।

अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट में 8वीं बार लाथम को आउट किया

टीम इंडिया ने दूसरी पारी 276/7 के स्कोर पर घोषित की। पहली पारी में 150 रन बनाने वाले ओपनर मयंक अग्रवाल (62) दूसरी पारी में भी टॉप स्कोरर रहे। साथ ही चेतेश्वर पुजारा (47) और शुभमन गिल (47) ने भी अच्छा स्कोर बनाया। पहली पारी में सभी 10 विकेट लेकर इतिहास रचने वाले एजाज पटेल ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट अपने नाम किए। वानखेड़े टेस्ट में विराट कोहली ने दमदार प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही थी, लेकिन पहली पारी में वह शून्य और दूसरी पारी में 36 पर आउट होकर पवेलियन लौटे। विराट ने इंटरनेशनल क्रिकेट में दो साल पहला शतक लगाया था और आज की पारी को मिलाकर कुल 58 पारियां और 744 दिन हो गए, जब भारतीय कप्तान के बल्ले से शतक देखने को नहीं मिला। रचिन रवींद्र ने कोहली को बोल्ड किया। इसके बाद रचिन ने भारतीय पारी का छठा और अपना तीसरा विकेट ऋद्धिमान साहा (13) के रूप में चटकाया। एजाज ने मैच में अपना 14वां और आखिरी विकेट जयंत यादव (6) को आउट कर हासिल किया।

सबसे उम्रदराज क्रिकेटर का निधन

110 साल की एलीन ऐश नहीं रहीं

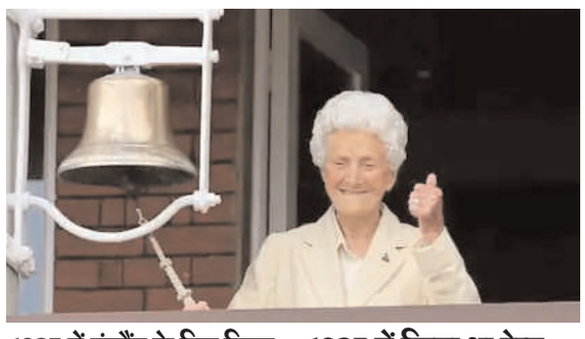

1937 में इंग्लैंड के लिए किया था डेब्यू; द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान थीं सीक्रेट एजेंट

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने शनिवार बताया कि सबसे उम्रदराज इंटरनेशनल क्रिकेटर एलीन ऐश का निधन हो गया है। वो 110 साल की थीं। ऐश ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इंग्लैंड के लिए सात टेस्ट मैच खेले थे। वो दाहिने हाथ की तेज गेंदबाज थीं। उन्होंने इंग्लैंड के लिए 23 की औसत से 10 विकेट अपने नाम किए थे। ऐश ने इंग्लैंड के लिए 1937 में डेब्यू किया था। अपने क्रिकेट करियर के अलावा ऐश द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान स्न्ढ्ढ6 सीक्रेट इंटेलिजेंस सर्विस के लिए भी काम किया था।

1937 में किया था डेब्यू

ऐश ने घरेलू क्रिकेट में महिला सिविल सर्विस टीम, महिला मिडिलसेक्स टीम और दक्षिण महिलाओं के लिए खेल चुकी हैं। इसके अलावा ऐश 1949 में ऑस्ट्रेलिया के एशेज दौरे का भी हिस्सा थीं। ECB ने एक बयान में कहा, इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड को 110 साल की एलीन ऐश के निधन की खबर से गहरा दुख हुआ है। वह एक शानदार महिला थीं। उन्होंने एक असाधारण जीवन व्यतीत किया। एक दाहिने हाथ की तेज गेंदबाज इस खिलाड़ी ने 1937 में नॉर्थम्प्टन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू किया था। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सात मौकों पर वो इंग्लैंड की टीम का हिस्सा रहीं।

मैड्रिड। दानिल मेदवेदेव और आंद्रे रुबलेव की जीत से रूस ने डेविस कप टेनिस प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जर्मनी को आसानी से हराकर फाइनल में जगह पक्की की जहां उसका सामना कोएशिया से होगा। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज मेदवेदेव ने जेन-लेनार्ड स्ट्रफ पर 6-4, 6-4 की जीत दर्ज की। इससे पहले रुबलेव ने डोमिनिक कोएफर पर 6-4, 6-0 की आसान जीत से अपने देश को शानदार शुरुआत दिलाई थी। इससे पहले क्रोएशिया ने सर्बिया को हराकर शुक्रवार को फाइनल में जगह पक्की की। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच एकल की अपनी जीत को निर्णायक युगल मैच में दोहरा नहीं सके।

ला लिगा : रीयाल मैड्रिड का विजय अभियान जारी, बार्सिलोना हारा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज बार्सिलोना

रीयाल मैड्रिड ने करीम बेंजेमा के चोटिल होने के बावजूद विनिसियस जूनियर और लुका जोविच के गोल की मदद से रीयाल सोसिडाड को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। विनिसियस और जोविच ने दूसरे हाफ के शुरू में गोल करके रीयाल मैड्रिड को सभी प्रतियोगिताओं में लगातार आठवीं जीत दिलाई। इससे वह अपने करीबी प्रतिद्वंद्वी सेविला से आठ अंक आगे हो गया है। रीयाल मैड्रिड की जीत से पहले एटलेटिको मैड्रिड और बार्सिलोना को अपने घरेलू मैचों में हार का सामना करना पड़ा। मौजूदा चैंपियन एटलेटिको मैड्रिड को मालोर्का ने 2-1 से हराया। इस हार के बाद वह रीयाल मैड्रिड से 10 अंक पीछे चौथे स्थान पर खिसक गया है। बार्सिलोना अपने चिर प्रतिद्वंद्वी रीयाल मैड्रिड से 16 अंक पीछे है। उसे रीयाल बेटिस ने 1-0 से पराजित किया। झावी हर्नाडेज के कोच बनने के बाद बार्सिलोना की यह पहली हार है। बेटिस इस जीत से सेविला के बाद तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। सेविला ने एक अन्य मैच में विल्लारीयाल को 1-0 से हराया।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक
SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021
खोज रहे हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और
सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com

न्यूज ब्रीफ

डिश टीवी की सालाना आम बैठक 30 दिसंबर को

नई दिल्ली। डिश टीवी की सालाना आम बैठक (एजीएम) 30 दिसंबर को होगी। डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) कंपनी को उसके सबसे बड़े शेयरधारक यस बैंक ने अपने निदेशक मंडल के पुनर्गठन के लिए नोटिस भेजा हुआ है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में डिश टीवी ने कहा, ''उसके निदेशक मंडल ने तीन दिसंबर, 2021 को जारी परिपत्र के जरिये शेयरधारकों की 33वीं सालाना आम बैठक 30 दिसंबर, 2021 को बुलाने का फैसला किया है। इससे पहले डिश टीवी ने 29 नवंबर को नियामकीय मंजूरियां लेने के बाद अपनी एजीएम को एक महीने के लिए टाल दिया था। एस्सेल समूह की कंपनी की वार्षिक आम बैठक पहले 30 नवंबर, 2021 को होनी थी। यस बैंक लि. ने डिश टीवी को अपने प्रबंध निदेशक जवाहर गोयल और चार अन्य निदेशकों को बोर्ड से हटाने के लिए नोटिस दिया हुआ है। यस बैंक की कंपनी में 24.19 प्रतिशत हिस्सेदारी है। डिश टीवी द्वारा यस बैंक की मांग को खारिज कर दिया गया है।

सोयाबीन में सुधार से बाकी खाद्य तेल-तिलहनों के भाव सुधरे

नई दिल्ली। देश के तेल-तिलहन बाजारों में शनिवार को सोयाबीन के भाव में सुधार के कारण सरसों बाजार सूत्रों ने कहा कि देश में सोयाबीन फसल का मौसम होने के बावजूद किसान सस्ते में सोयाबीन की बिक्री नहीं कर रहे हैं। महाराष्ट्र के लातुर कीर्ति में सोयाबीन का प्लांट डिलिवरी भाव बढ़ाकर 7,100 रुपये क्विंटल (अधिभार अलग) कर दिया गया जिसका असर बाकी तेल-तिलहन कीमतों पर भी दिखा और उनके भाव मजबूत रहे। उन्होंने कहा कि अमावस्या की छुट्टियों की वजह से देशभर की मंडियों में सोयाबीन की आवक घटकर लगभग दो लाख बोरी की रह गई। यह आवक पहले 6-6.5 लाख बोरी की थी। सूत्रों ने कहा कि सरकार को खाद्य तेलों की कीमतों की निगरानी के लिए एक समिति बनानी चाहिये जो यह सुनिश्चित करे कि खुदरा बाजारों में बिकने वाले खाद्य तेलों के भाव, थोक बिक्री भाव के अनुरूप हों।

मेट्रो ब्रांड्स का आईपीओ 10 दिसंबर को खुलेगा

नई दिल्ली। राकेश झुनझुनवाला समर्थित मेट्रो ब्रांड्स लि. का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 10 दिसंबर को खुलेगा। फुटवियर क्षेत्र की रिटेलर मेट्रो ब्रांड्स आईपीओ के तहत 295 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। इसके अलावा प्रवर्तक तथा अन्य शेयरधारक 2.14 करोड़ इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाएंगे। आईपीओ दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी का निर्गम 14 दिसंबर को बंद होगा। आईपीओ के जरिये कंपनी के प्रवर्तक अपनी करीब 10 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेंगे। आईपीओ के बाद

निजी क्षेत्र के निवेश को गति पकड़ना अभी बाकी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अर्थव्यवस्था में निवेश बहाल होने को लेकर वित्त मंत्रालय उत्साहित है, वहीं निजी क्षेत्र से बड़ा पूंजी निवेश होता देखने के लिए अभी थोड़ा इंतजार करना होगा।अपनी हाल की मासिक समीक्षा में आर्थिक मामलों के विभाग ने कहा कि भारत में निवेश के चक्र की बहाली की राह तैयार है, जिससे विश्व की तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में रिकवरी को बल मिलेगा। विभाग को तेज टीकाकरण से उम्मीदें हैं। आइए कुछ तथ्यों पर नजर डालते हैं। सकल नियत पूंजी सृजन (जीएफसीएफ) वित्त वर्ष 2022 की पहली मिताही में 55 प्रतिशत बढ़ा है, जबकि एक साल पहले 46.6 प्रतिशत का संकुचन आया था, जिससे यह बहुत बढ़ा हुआ नजर आता है। अगर हम कोविड के पहले की 2019-20 की पहली तिमाही से तुलना करें तो जीएफसीएफ वित्त वर्ष 22 की पहली तिमाही में 9.3 प्रतिशत कम है। यह वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में 11 प्रतिशत बढ़ा, लेकिन एक साल पहले इसमें 8.6 प्रतिशत का संकुचन था और कम आधार पर यह वृद्धि दर्ज की गई है। अगर वित्त वर्ष 20 की दूसरी तिमाही से तुलना करें तो वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में निवेश महज 1.1 प्रतिशत बढ़ा है। अब जीडीपी के प्रतिशत के रूप में जीएफसीएफ देखते हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में यह घटकर 27.2 प्रतिशत रह गया है, जो पहले के वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 31.2 प्रतिशत था। बहरहाल वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में यह थोड़ा बढ़कर 28.4 प्रतिशत पर पहुंचा है, लेकिन यह अभी भी 30 प्रतिशत से कम है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़ों के मुताबिक पूंजीगत वस्तुओं के उत्पादन को देखें तो आधार सामान्य होने के साथ सितंबर में इसकी वृद्धि में 1.3 प्रतिशत की गिरावट आई, जो इसके पहले महीने में 20 प्रतिशत के करीब था। ध्यान देने वाली बात है कि पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन पिछले साल सितंबर में 1.2 प्रतिशत संकुचित हुआ था, इस हिसाब से आधार अब भी कम था। बहरहाल एसबीआई रिसर्च ने प्रोजेक्ट टुडे के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा है कि वित्त वर्ष 21 में नई घोषणाओं के बाद चालू वित्त वर्ष के अब तक के 7 महीनों में 7.99 लाख करोड़ रुपये निवेश की घोषणाओं के बाद उम्मीद बढ़ी है।

निजी निवेश का हिस्सा

इसमें कहा गया है कि नई परियोजनाओं में निवेश का करीब 64 प्रतिशत निजी क्षेत्र से आ रहा है, और 36 प्रतिशत या 2.8 लाख करोड रुपये सरकार की ओर से। उल्लेखनीय है कि अक्टूबरको समाप्त पिछले 3 महीने में कुल निवेश में सरकार का हिस्सा 40 प्रतिशत से ऊपर रहा है। जुलाई में 988 परियोजनाओं की घोषणा के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद नई परियोजनाओं की घोषणा में कमी आई है। बहरहाल परियोजनओं में निवेश की गई राशि 1 लाख करोड़ रुपये से ऊपर बनी रही। एसबीआई रिसर्च के मुताबिक बड़े सेक्टरों में परियोनजाओं की घोषणा में बेसिक केमिकल्स, आयरन और स्टील, इलेक्ट्रॉनिक्स, गैर परंपरागत ऊर्जा, रोडवेज, रियल एस्टेट आदि शामिल है। मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज में मुख्य अर्थशास्त्री मोतीलाल ओसवाल ने भारत में निवेश के तरीके को लेकर दिलचस्प दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंनो कहा कि अन्य प्रमुख देशों के विपरीत भारत में कॉर्पोरेट सेक्टर की घोषणाएं कुल निवेश की महज आधी हैं। वहीं सकर पूंजी सृजन (जीसीएफ) में परिवारों की हिस्सेदारी 35-40 प्रतिशत है। सीएमआईई के आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि सितंबर तक निजी निवेश कम था।

देखो और इंतजार करो

केंद्र सरकार पूंजीगत व्यय कर रही है। वहीं राज्यों का पूंजीगत व्यय बजट की तुलना में कम है क्योंकि वे राजस्व की आवक पर नजर बनाए हुए हैं, जिससे राजकोषीय घाटे का अनुपात प्रभावित होगा। सबनवीस ने कहा, %साल भर के हिसाब से हम उम्मीद कर रहे हैं कि पूंजी सृजन अनुपात 27.1 प्रतिशत पर स्थिर रहेगा, जैसा कि वित्त वर्ष 21 में था। यह मामूली रूप से बढ़कर 27.5 हो सकता है, अगर चौथी तिमाही में तेजी रहती है।% इक्रा में मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर को उम्मीद है कि पूंजी का उपयोग सुधरेगा। वित्त वर्ष 22 की दूसरी तिमाही में सुधरकर 68 प्रतिशत हुआ है, जो पहली तिमाही में 60 प्रतिशत था। मांग मजबूत होने पर अगली दो तिमाहियों में यह 72 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। पीडब्ल्यूसी इंडिया के आर्थिक सलाहकार सेवा के लीडर रानेन बनर्ज ने कहा कि क्षमता का उपयोग अभी भी 70 प्रतिशत के आसपास है और तमाम उद्योग दरअसल अभी इनपुट की कमी की वजह से क्षमता से कम पर चल रहे हैं।

झारखंड में तीन ब्लॉकों में कोयला निकालने का काम शुरू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

झारखंड में 29 कोयला ब्लॉकों में से तीन में निकासी का काम शुरू हो गया है। खान मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। केंद्रीय खान मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव एम नागराजू ने शनिवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात कर उन्हें बताया कि तीन कोयला ब्लॉकों से कोयला निकालने का काम शुरू हो चुका है। उन्होंने बताया कि आगामी महीनों में केरेदारी, चट्टी बरियातू, बादाम, ट्यूबेड, तोकिसूद और लोहारी कोयला ब्लॉकों में भी काम शुरू हो जाएगा। राज्य सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने नागराजू को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा कि विभिन्न कोयला ब्लॉकों के आवंटी राज्य के कानून का अनुपालन करें। राज्य सरकार के नियमों के अनुसार, सभी कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि एक परियोजना में काम करने वाले कर्मचारियों का 75 प्रतिशत झारखंड से होना चाहिए। नागराजू ने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि विभिन्न कोयला खनन कंपनियों के आवंटियों के साथ बैठक कर उन्हें खनन कार्य में 75 प्रतिशत श्रमबल राज्य से लगाने के निर्देश दिए जाएंगे।

आईआईटी गुवाहाटी में बढ़ा प्लेसमेंट

नई दिल्ली। इस साल कैंपस से भर्तियों में तेजी देखी जा रही है। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी में इस साल पहले 2 दिन के दौरान पिछले साल की समान अवधि की तुलना में कैंपस से भर्तियों में पेशकश की संख्या में 50.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। भर्तियों की पेशकश 1 दिसंबर से शुरू हुई है और दूसरे दिन के अंत तक आईआईटी गुवाहाटी में 530 नौकरियों की पेशकश की गई थी, जबकि पिछले साल पहले 2 दिन की प्रक्रिया में 353 पेशकश की गई थी। इसके अलावा इस संस्थान में पहले 2 दिन के दौरान अंतरराष्ट्रीय पेशकश में भी बढ़ोतरी हुई है। पिछले साल जहां कुल 4 पेशकश हुई थी, इस साल अंतरराष्ट्रीय पेशकश शुरुआती दो दिन में 28 रही है। वेतन पैकेज में भी इस साल उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

गोवा के मुख्यमंत्री ने ई-वाहनों को बढ़ावा देने की नीति का शुभारंभ किया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज कानाकोना (गोवा)

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को ई-वाहनों (ईवी) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए गोवा बिजली परिवहन संवर्द्धन नीति-2021 का शुभारंभ किया। सावंत ने यहां भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को प्रोत्साहन देने के लिए आयोजित गोलमेज के दौरान इस नीति की शुरुआत की। सावंत ने कहा कि इस नीति का मुख्य उद्देश्य बैटरी से चलने वाले वाहनों के उपयोग को बढ़ावा देना और राज्य के लोगों के लिए रोजगार पैदा करना है। नीति के तहत तहत प्रदान किए जा रहे लाभ पर उन्होंने कहा, ''हम विनिर्माण को प्रोत्साहन दे रहे हैं। गोवा में पंजीकृत सभी श्रेणी के ई-वाहनों पर पांच साल तक पथकर की छूट दी जा रही है।'' उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ई-वाहनों के खरीदारों को सब्सिडी भी देगी और चार्जिंग ढांचा स्थापित करेगी। सावंत ने बाद में कार्यक्रम से इतर पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि राजमार्गों पर प्रत्येक 25 किलोमीटर पर चार्जिंग ढांचा होगा। शहर में चार्जिंग स्टेशन राजमार्गों की तुलना में कम दूरी पर होंगे। नीति के तहत प्रदान की जाने वाली सब्सिडी के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''हमारी नीति दो, तीन और चार पहिया ई-वाहनों के लिए है। दोपहिया वाहनों के लिए यह 30 प्रतिशत और तिपहिया के लिए 40 प्रतिशत है। चार पहिया वाहनों के लिए हम तीन लाख रुपये तक देंगे।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लाभ 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर लगभग 400 वाहनों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस नीति से राज्य में प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 10,000 रोजगार के अवसरों का सृजन होगा। इस मौके पर भारी उद्योग मंत्री महेंद्र नाथ पांडेय, नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी अमिताभ कांत, विभिन्न राज्यों के परिवहन मंत्री तथा अन्य सरकारी अधिकारी मौजूद थे।

PRESS ITDC ITDC NEWS
www.itdcindia.com

मध्य भारत से विश्वसनीय हिन्दी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज,

विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्वागत।

मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।

आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्विटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।

आप सभी इच्छुकजन अपनी मौलिक रचना,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेवलपमेंट सेंटर न्यूज़

हार्ले-डेविडसन स्पोर्टस्टर S लॉन्च

इसमें लगा 4 इंच का TFT डिस्प्ले स्मार्टफोन से कनेक्ट हो जाएगा, कीमत 15.51 लाख रुपए

नई दिल्ली। हार्ले-डेविडसन ने भारत में अपना रेवोल्यूशन मैक्स इंजन से लैस स्पोर्टस्टर स को 15.51 लाख रुपए में लॉन्च किया गया है। लिक्विड-कूलिंग, डुअल ओवरहेड कैमशाफ्ट और वैरिएबल वॉल्व टाइमिंग जैसी टेक्नोलॉजी के साथ, स्पोर्टस्टर स अमेरिकी मोटरसाइकिल कंपनी के सबसे एडवांस क्रूजर में से एक है। इसे 15.51 लाख रुपए की कीमत में लॉन्च किया गया है। हार्ले डेविडसन बाइक को तीन कलर ऑप्शन विविड ब्लैक, स्टोन वाश व्हाइट पर्ल और मिडनाइट क्रिमसन में खरीद सकते हैं।

हार्ले डेविडसन स्पोर्टस्टर S: टेक्नोलॉजी

यह मॉडर्न इंजन 6-स्पीड गियरबॉक्स और स्लिपर क्लच से भी लैस है। इसमें एक 4.0-इंच डायमीटर की ञ्जस्रञ्ज स्क्रीन मिलती है जो इंस्ट्रूमेंटेशन और इंफोटेनमेंट फंक्शन को दिखाता है। इसे नेविगेशन और दूसरे काम लिए ब्लूटूथ के जरिए स्मार्टफोन से भी जोड़ सकते हैं। इसके आलावा, स्पोर्टस्टर स में 6 एक्सिस मेजरमेंट यूनिट, या iMU का भी इस्तेमाल किया गया है। जो ट्रैक्शन कंट्रोल के साथ काम करता है। साथ ही कॉर्नरिंग एन्हांस्ड एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम का फीचर शामिल है जो मोटरसाइकिल के लीन एंगल को ध्यान में रखता है। स्पोर्टस्टर स में चार राइड मोड भी हैं। जिसमें रोड, स्पोर्ट, रेन और कस्टम मोड शामिल हैं। ऑल-LED लाइटिंग, क्रूज कंट्रोल और टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम फीचर भी मिलता है।

हार्ले डेविडसन स्पोर्टस्टर S: चेसिस

दिलचस्प बात यह है कि इंजन स्पोर्टस्टर S पर चेसिस में ट्राडिशनल फ्रेम को हटा दिया गया है। जहां तक सस्पेंशन की बात है, इसे पूरी तरह से एडजस्ट होने वाले स्ष्ठ फोर्क और मोनोशॉक द्वारा कंट्रोल किया जाता है। ब्रेकिंग के लिए इसमें एक 320 मिमी डिस्क और एक चार-पिस्टन, रेडियल मोनोब्लॉक ब्रेम्बो कैलीपर अप फ्रंट के साथ-साथ दो-पिस्टन ब्रेम्बो कैलीपर और पीछे की तरफ 260 मिमी डिस्क दिया गया है।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।